धनबाद, बुधवार
29 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 299
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

# टूथ पथ

## ब्रीफ न्यूज

### कश्मीर में 50 फीट गहरी खाई में गिरी बस

मंदसौर (एजेंसी) : जम्मू-कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को करीब 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में सवार करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें मध्यप्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हैं, जबकि दो को गंभीर चोटें आई हैं। ये हादसा सुबह करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक ज्यादातर यात्रियों को मल्टीपल इंजरी और हेड ट्रॉमा है। फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर बताई गई है और उनका उपचार जारी है।

### अभिनेता सुनील आनंद का निधन

मुंबई, (एजेंसी) : हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता देव आनंद के बेटे और अभिनेता-निर्देशक सुनील आनंद का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद लंदन के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।बताया जा रहा है कि यही वह अस्पताल है, जहां उनके पिता देव आनंद का भी निधन हुआ था। परिवार ने आधिकारिक बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की है। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत और प्रशंसकों में शोक की लहर है, जबकि सोशल मीडिया पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है।सुनील आनंद की भतीजी जीना नारंग ने परिवार की ओर से जारी बयान में कहा कि इस कठिन समय में मिले प्यार, संवेदनाओं और प्रार्थनाओं के लिए परिवार सभी का आभारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि परिवार की निजता का सम्मान करें, ताकि वे इस दुख की घड़ी से एकजुट होकर गुजर सकें।

परिवार ने सभी शुभचिंतकों के समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया।सुनील आनंद, देव आनंद और कल्पना कार्तिक के इकलौते बेटे थे। उन्होंने वर्ष 1984 में अपने पिता के निर्देशन में बनी फिल्म 'आनंद और आनंद' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वह 'मैं तेरे लिए' और 'कार थीफ' जैसी फिल्मों में नजर आए। हालांकि, उन्हें अपने पिता जैसी सफलता नहीं मिली। बाद में उन्होंने अभिनय से दूरी बनाकर पारिवारिक बैनर नवकेतन फिल्म्स की जिम्मेदारी संभाली और अपने पिता की सिनेमाई विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया।

### पश्चिम बंगाल में एक लाख पुलिस-ाकर्मियों की होगी भर्ती, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य में अगले कुछ वर्षों में चरणबद्ध ढंग से एक लाख नए पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 14 हजार पुलिस कॉन्स्टेबल प्रशिक्षण पूरा कर नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इनकी तैनाती आगामी दुगार्पूजा से पहले कर दी जाएगी।

भवानी भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रति एक लाख की आबादी पर 106 पुलिसकर्मी हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 155 है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को और सशक्त बनाने के लिए रिक्त पदों पर तेजी से भर्ती की जाएगी। उनके अनुसार राज्य में अभी 47 हजार पद रिक्त हैं तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से जुड़े विषय का समाधान होने के बाद भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के राशन भत्ते में भी वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब तक डेढ़ हजार रुपये मिलने वाला राशन भत्ता बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दिया गया है।

# परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एमओयू, मुख्यमंत्री ने दिए लाइसेंस प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड सरकार ने सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और कुशल ड्राइवर तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह पहल राज्य के युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान करेगी और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद करेगी। वर्षों की तैयारी के बाद यह योजना साकार हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना को शुरू करने के लिए पिछले कई वर्षों से प्रयास किए जा रहे थे। झारखंड में आधुनिक ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, लेकिन अब टाटा मोटर्स के सहयोग से यह कमी दूर होगी।

नया प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक तकनीक से लैस होगा और यहां प्रशिक्षुओं को नए जमाने के वाहनों की तकनीकी जानकारी, सुरक्षित ड्राइविंग और सड़क नियमों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र केवल ड्राइविंग सिखाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सड़क सुरक्षा और आधुनिक वाहन तकनीक का उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एमओयू से पहले ही 10 हजार से अधिक लर्निंग और ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को पहले ही निर्देश दिया गया था कि लंबित सभी आवेदन जल्द निपटाए जाएं। उनका कहना था कि लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आम लोगों के लिए आसान और पारदर्शी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्के वाहनों की तुलना में भारी वाहनों का लाइसेंस प्राप्त करना अब भी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि भारी वाहन चालकों के प्रशिक्षण और लाइसेंस प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वीडन की वाहन निमार्ता कंपनी वोल्वो के प्रशिक्षण केंद्र का अनुभव साझा करते हुए कहा कि विकसित देशों में सड़क सुरक्षा तकनीक काफी उन्नत है। उन्होंने कहा कि वहां वाहन सेंसर आधारित सुरक्षा प्रणाली से लैस होते हैं, जबकि भारत में अभी इस दिशा में काफी काम किया जाना बाकी है। उन्होंने आधुनिक तकनीक को ड्राइविंग प्रशिक्षण का हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित हो रहा है, लेकिन इसके साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या भी चिंता का विषय बनी हुई है। उनका मानना है कि प्रशिक्षित चालक और वैज्ञानिक तरीके से दिया गया प्रशिक्षण दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग की जिम्मेदारी बेहद व्यापक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टाटा मोटर्स के साथ यह साझेदारी राज्य के युवाओं को रोजगार के नए अवसर देगी, कुशल चालक तैयार करेगी और झारखंड में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देगी।

# ऑपरेशन 'नवजीवन-।।' में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची, (एजेंसी) : झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-क्क' के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेश-ाक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं।

डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियां तेजी से सिमट रही हैं। डीजीपी ने शेष सक्रिय नक्सलियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरूआत करें।

सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) साकेत सिंह ने इस मौके पर बताया कि इसी नेटवर्क से जुड़े आठ अन्य कमांडर और सदस्य हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है।

# जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के लिए झारखंड की 18 सदस्यीय टीम घोषित

रांची, (एजेंसी) : मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा तथा उपाध्यक्ष अशोक भगत ने उन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। जो तमिलनाडु के कोयंबटूर में 28 जुलाई से लेकर आठ अगस्त 2026 तक आयोजित होनेवाली 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप-2026 के लिए झारखंड की 18 सदस्यीय टीम में शामिल हैं।

झारखंड जूनियर पुरुष टीम 2026 के 18 सदस्यीय टीम में अनमोल कोंगारी, गंगा टोपनो, टिंटस हेमरोम, पत्रस हस्सा, सुजीत केरकेट्टा, साबियन किरो, साइमन डोडराय, प्रिंस साहू, अमन टिग्गा, रोहित तिर्की, घुरन लोहरा, ग्लेडशन भेंगरा, जोलेन टोपनो, निकोलस टोपनो, अंकित एक्का, विजय भोई, असिम एक्का, अंकित बरवार के नाम शामिल हैं। वहीं सपोर्ट स्टाफ के रूप में टीम कोच विकास जोशी, टीम मैनेजर सुमित बाथम, टीम फिजियो साइकत भट्टाचार्य, वीडियो एनालिस्ट सत्यजीत दाभी के नाम शामिल हैं।

बताया गया कि टीम का चयन चरणबद्ध ट्रायल और प्रशिक्षण शिविर के आधार पर किया गया।

उन्होंने बताया कि विगत 22 जून 2026 को आयोजित ओपन ट्रायल से 42 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इसके बाद 15 से 19 जुलाई तक चले विशेष प्रशिक्षण शिविर के आधार पर 23 खिलाड़ियों को चुना गया। अंतिम चरण के प्रशिक्षण शिविर के बाद बेहतर प्रदर्शन करने वाले 18 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह मिली।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी असरिता लकड़ा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हुई है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, यात्रा व खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। महासचिव मनोज कोनबेगी ने कहा कि खिलाड़ियों को राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करना चाहिए। टीम के कोच विकास जोशी, मैनेजर सुमित बाथम, फिजियो साइकत भट्टाचार्य और वीडियो एनालिस्ट सत्यजीत दाभी होंगे। झारखंड का पहला लीग मैच दो अगस्त 2026 को पंजाब और दूसरा मैच तीन अगस्त 2026 को दिल्ली के खिलाफ खेला जाएगा। मौके पर हॉकी प्रदेश अध्यक्ष भोलानाथ सिंह सहित खेल विभाग और हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं दीं।

# राष्ट्रपति मुर्मु ने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने पर कई नई पहल शुरू की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति पद पर चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में कई नई जनोन्मुखी पहलों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन से जुड़े पांच प्रकाशनों का विमोचन किया गया, ई-उपहार के तीसरे संस्करण का शुभारंभ हुआ तथा ई-ऑडियो गाइड, निःशुल्क इलेक्ट्रिक बस सेवा राही और बच्चों के लिए बचपन-बाल परिसर का उद्घाटन किया गया।समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुर्मु को उनके राष्ट्रपति कार्यकाल पर आधारित प्रकाशनों की प्रथम प्रतियां भेंट कीं और उनका औपचारिक विमोचन किया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित रहे।

विमोचित प्रकाशनों में ह्यराष्ट्रपति भवन : राष्ट्र का भवन, ह्यसेवा और संवेदना ह्यसमावेशी सहभागिताह्न, ह्यभारतीयता का उत्सवह्न तथा ओड़िया भाषा में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लेखों का संकलन ह्यआमा राष्ट्रपति-आमा गौरवह्न शामिल हैं।इस मौके पर राष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि इन सचित्र प्रकाशनों से पाठकों को राष्ट्रपति भवन की परंपराओं, कार्यप्रणाली और उसके विभिन्न आयामों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये संकलन नागरिकों को अपनी विरासत पर गर्व करते हुए प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

अपने कार्यकाल के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राष्ट्रपति ने ई-उपहार के तीसरे संस्करण का भी शुभारंभ किया, जिसमें राष्ट्रपति को प्राप्त 300 चयनित उपहारों को सार्वजनिक नीलामी के लिए रखा गया है। यह ई-नीलामी 05 अगस्त से 05 सितंबर तक आयोजित होगी और इससे प्राप्त समस्त आय सामाजिक कार्यों में उपयोग की जाएगी।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन आने वाले आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विकसित ई-ऑडियो गाइड का भी शुभारंभ किया। यह ऐप आधारित बहुभाषी गाइड हिंदी, अंग्रेजी तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 14 अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इसमें सांकेतिक भाषा की सुविधा भी दी गई है, जिससे दिव्यांगजन भी इसका लाभ उठा सकेंगे।हरित और समावेशी परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति ने ह्यराहीह्न नामक निःशुल्क इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति संपदा के कर्मचारियों और निवासियों के लिए शुरू की गई 27 सीटों वाली यह बस व्हीलचेयर अनुकूल है तथा इसका संचालन महिला चालक और परिचालक करेंगी। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराना है।

# विश्वप्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ धाम से 'श्रावणी मेला 2026' का भव्य शुभारंभ

पटना, (एजेंसी) : बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज स्थित विश्वप्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ धाम से 'श्रावणी मेला 2026' का भव्य और आध्यात्मिक शुभारंभ मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फीता काटकर और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रावणी मेला केवल बिहार का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश और दुनिया की अटूट आस्था का महापर्व है। उन्होंने घोषणा की कि सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा क्षेत्र को उत्तराखंड के हरिद्वार की तर्ज पर एक भव्य और आधुनिक धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गंगा नदी के किनारे मजबूत तटबंध, सर्वसुविधायुक्त सड़कें और पर्यटक सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को एक सुखद और विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके।

मुख्यमंत्री ने अन्य आधारभूत परियोजनाओं पर बात करते हुए ऐलान किया कि बहुप्रतीक्षित अगुवानी-सुल्तानगंज गंगा पुल का निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2027 से पहले हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।<

इसके अतिरिक्त अजगैवीनाथ धाम से अगुवानी घाट तक रोपवे निर्माण और स्थानीय एयरपोर्ट के विकास पर भी सरकार तेजी से काम करेगी। तकनीक और धार्मिक पर्यटन के इस समावेश के साथ ही बाबा अजगैवीनाथ धाम में कांवड़ियों का उत्साह चरम पर है और पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान है।

उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण और बड़ी सौगातों की घोषणा की। इस अवसर पर 'श्रावणी मेला 2026' मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया गया, जिसके माध्यम से अब दुनियाभर के शिवभक्त घर बैठे बाबा अजगैवीनाथ के लाइव दर्शन कर सकेंगे।श्रद्धालुओं को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से भागलपुर जिला प्रशासन और भागलपुर ट्रिपल आईटी (क्कक्कळ) के संयुक्त प्रयास से इस विशेष मोबाइल ऐप को विकसित किया गया है। भागलपुर की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने बताया कि इस ऐप पर श्रद्धालुओं को मेले से जुड़ी तमाम जानकारियां, रूट चार्ट, स्वास्थ्य केंद्र, पेयजल और सुरक्षा संबंधी सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी, जो कांवड़िए या श्रद्धालु किसी कारणवश सुल्तानगंज नहीं पहुंच पा रहे हैं, वे इस ऐप के जरिए उत्तरवाहिनी गंगा और बाबा अजगैवीनाथ मंदिर की पूजा-अर्चना का सीधा प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) देख सकेंगे।

समारोह में भागलपुर सांसद अजय कुमार मंडल और बांका सांसद गिरधारी प्रसाद यादव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इन विकास मांगों का समर्थन किया और जनहित में इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया।

## संक्षिप्त खबरें

### चुनाव आयोग पहुंचा कांग्रेस, एसआइआर अभियान की समय सीमा बढ़ाने की मांग

रांची(एजेंसी) : कांग्रेस ने एसआईआर के तहत तैयार की जा रही एएसडीडी सूची में मतदाताओं की संख्या महज 40 लाख पहुंचने पर चिंता जतायी है। परिस्थितियों को देखते हुए इन्यूमरेशन फेज के साथ-साथ नोटिस और सुनवाई प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की गयी है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का एक दल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार से मिला। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि सीइओ की ओर से भरोसा दिलाया गया कि पांच अगस्त के बाद चुनाव आयोग से 15 दिन का समय और बढ़ाने की सिफारिश की जायेगी।कांग्रेस नेताओं ने सीइओ को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि एएसडीडी सूची में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिनमें से लापता श्रेणी के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक चिंताजनक है।रांची, हटिया, कांके, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर पश्चिम जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या 75 हजार से 1.15 लाख तक है।पार्टी का मानना है कि जब राज्य में डिजिटाइजेशन का काम संतोषजनक स्थिति में है, तब अनुपस्थित श्रेणी में इतनी बड़ी संख्या होना सवाल खड़े करता है।कांग्रेस नेताओं का कहना था कि देवघर और दुमका सहित आसपास के जिलों में बाबाधाम सावन मेले की शुरूआत हो रही है, जिससे आम जनता और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है. कई जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ फॉर्म लेने के बाद हस्ताक्षर करके पावती रसीद नहीं दे रहे हैं।कांग्रेस नेताओं ने सीइओ को बताया कि एएसडीडी सूची का दायरा इतना बड़ा होने और अभी तक अनमैपिंग सूची का प्रकाशन न होने के कारण आम मतदाताओं पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है।प्रतिनिधिमंडल में महासचिव सूर्यकांत शुक्ला,लाल किशोर नाथ शाहदेव, लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, सुनील सिंह, राजेश चंद्र राजू आदि शामिल थे।

### विधायक रोशन लाल चौधरी ने लगाया जनता दरबार,अधिकारियों को समाधान करने का दिया निर्देश

हजारीबाग(एजेंसी) : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने प्रखंड कार्यालय में जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याएं सुनी और त्वरित कार्रवाई की।जनता दरबार में मंझली डाड़ी के ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि एनटीपीसी द्वारा कोल माइंस खोले जाने के कारण आठ प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय सहित आंगनबाड़ी केंद्र विस्थापित हो गया है। जिससे बच्चों को पठन पाठन करने में परेशानी हो रही है।इस संबंध में विधायक ने अंचलाधिकारी मनोज कुमार को निर्देश दिया कि टूटे हुए विद्यालय को नए से निर्माण कर बच्चों को तुरंत शिफ्ट करना सुनिश्चित करें ,ताकि विस्थापित बच्चे विद्यालय में पठन-पाठन कर सके। विधायक ने सीओ को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि स्कूल भवन की मांग करने वाले धरने पर बैठे विद्यार्थी की समस्याओं को शीघ्र दूर करें।कुशवाहा समाज के अध्यक्ष भीखन महतो ने दांगी जाति का प्रमाण पत्र नही बनने का मामला उठाया जिसमें विधायक ने अंलाधिकारी को जल्द जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया।किसानों ने पशु पशु अस्पताल में रेबीज की दवा नहीं उपलब्ध होने का मामला उठाया।विधायक ने पशु चिकित्सा के डॉ उज्जवल कुमार को निर्देश दिया कि रेबीज की दवा तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए जुलाई के अंत तक टीकाकरण कराने का निर्देश दिया। जनता दरबार में मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता ,मुखिया अनिकेत नायक पूर्व मुखिया सह कुशवाहा समाज अध्यक्ष भीखन महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिबु उर्फ शिव शंकर मेहता बीडीओ जितेंद्र मंडल, सीओ मनोज कुमार, डॉ उज्जवल कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइया, पूर्व मुखिया मोहन महतो,कामेश्वर कुमार, मनीष पांडे,भागीरथ ठाकुर,नरसिंह प्रसाद, उदय कुमार,तुलेश्वर महतो,कामेश्वर कुमार,अवध किशोर कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

### फरार अभियुक्तों के घर तारा टांड़ पुलिस ने चिपकाया इश्तहार

गिरिडीह(एजेंसी) : एक मामले में कई वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्तों के घर तारा टांड़ पुलिस ने इश्तहार चिपकाया है।मामला तारा टांड़ थाना कांड संख्या 21/2023 से जुड़ा है।जानकारी के अनुसार तारा टांड़ थाना कांड संख्या 21/2023 के अभियुक्त राजेश मरांडी(पिता चूनकू मरांडी, सर्रा-रंगा मटिया,थाना मनिया डीह),सुरेश मरांडी(पिता साहबराम मरांडी, सर्रा भाग जोबरा,थाना मनिया डीह) एवं डिंगा मुर्मू(पिता बालेश्वर मुर्मू, गो चौथा,हरला डीह ओपी) कांड अंकित होने के बाद से फरार चल रहा है।मामले को ले तारा टांड़ पुलिस ने उक्त अभियुक्तों के घर इश्तहार चिपकाया।

### मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सपरिवार बाबा फौजदारीनाथ का पूजा अर्चना किया, डीसी व एसपी ने स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

दुमका (एजेंसी) : मुख्य सचिव अविनाश कुमार सपरिवार मंगलवार को बासुकिनाथ मंदिर पहुंचे।बासुकिनाथ मंदिर में अभिषेक कर पूजा किया।मंदिर प्रांगण में पांच सदस्यी सहयोगी पंडितों द्वारा स्वस्तिक वाचन पूर्वक बाबा फौजदारीनाथ के पूजन के लिए संकल्प कराकर विधि विधान पूर्वक षोडशोपचार पूजन कराया। शिवलिंग के ऊपर दूध से अभिषेक कर बेलपत्र अर्पण किए।उनके पुरोहित कुंदन पत्रलेख व उनके सहयोगी पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दूध, दही, घी, गुढ़, भांग, ईख का रस, गंगाजल आदि से भोलेनाथ का पंचामृत स्नान कराया गया। मंदिर प्रांगण में दस महाविद्या देवी की विधिवत पूजा कर पंडितों ने मंदिर प्रांगण में वैदिक आरती कराया।जिला प्रशासन के आला अधिकारियों से लेकर सुरक्षा कर्मियों और पुलिस बल बड़ी संख्या में तैनात थे। पुरोहितों ने मुख्य सचिव को फौजदारी बाबा का पूजन कराने के बाद माता पार्वती, काली माता व पीतांबरा भगवती राजराजेश्वरी माता बगलामुखी के मंदिर मे भी विशेष पूजा अर्चना कराया।पूजा के उपरांत गंतव्य की ओर निकल गए।चीफ सेक्रेटरी अविनाश कुमार को डीसी अभिजीत सिन्हा एवं एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार की ओर से उन्हें बाबा फौजदारीनाथ का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। डीसी ने अंग वस्त्र देकर चीफ जस्टिस का मंदिर प्रांगण में सम्मानित किया। रूद्राक्ष का माला भी भेंट स्वरूप दिया. मंदिर में पूजा व्यवस्था से अभिभूत होकर प्रसन्नता व्यक्त की। पूजा के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बाबा बासुकिनाथ से उन्होंने सभी के कल्याण की कामना की है। भोलेनाथ से स्वास्थ्य व लंबी उम्र की कामना की। उन्होंने कहा भोलेनाथ की कृपा से ही देश के सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान संभव है। मौके पर प डीसी अभिजीत सिन्हा, एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार,एसडीओ कौशल कुमार,मंदिर प्रभारी सह सीओ संजय कुमार,बीडीओ कुंदन भगत, एसडीपीओ नवल किशोर सिंह, पुलिस निरीक्षक दयानंद साह, मंदिर न्यास पर्षद सदस्य कुंदन पत्रलेख, पंडा धर्मरक्षिणी सभा अध्यक्ष मनोज पंडा, कुंदन झा,आशीष कुमार आदि उपस्थित थे।

# संत रविदास की 650वीं जयंती भव्य तरीके से मनाया जायेगा, 20 फरवरी तक समरसता अभियान : अर्जुन मुंडा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती भाजपा पूरे देश भर में मनायेगी। समरसता संकल्प अभियान के तहत आज से अगले वर्ष 20 फरवरी तक कार्यक्रम होंगे। पहले दिन सभी मंदिरों में समरसता दीप जलाये जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की जानकारी दी।पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान को झारखंड में भी काफी भव्यता से मनाया जायेगा।उन्होंने कहा कि लगभग सात माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उनकी सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को प्रदेश गांव गांव और घर घर तक पहुंचाना है। झारखंड की भी इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भागीदारी रहेगी। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की संध्या पर झारखंड सहित देश के सभी धार्मिक स्थलों, मंदिरों पर समरसता का दीप महोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा।इसका उद्देश्य हर घर में उजाला फैलाना, खुशियों व उत्साह का वातावरण तैयार करना है।वहीं कलश वंदन अभियान का शुभारंभ

भी उनकी जन्मस्थली वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर से होगी।सीर गोवर्धनपुर की पावन भूमि से पवित्र मिट्टी को लेकर कलश वंदन अभियान के तहत देश के सभी प्रदेशों में मंडल स्तर तक इसे पहुंचाया जायेगा।इसके अलावा पांच अक्टूबर से पांच नवंबर तक जालंधर से लेकर वाराणसी तक समरसता यात्रा का आयोजन होना है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम भर का आयोजन नहीं है बल्कि भारत का चिंतन, विचारधारा और देश की ताकत को एक उत्कर्ष देगा।भारत की भूमि आध्यात्मिक चेतना वाली रही है। इस भूमि के संतों ने पूरी दुनिया को प्रभावित की है।संत रविदास का चिंतन मानवता के लिए था। इस धरती पर ऐसे महान ऋषियों, युगपुरुषों, युगद्दष्टा और संतों ने जन्म लिया है, जिन्होंने अलग अलग कालखंडों में देश का मार्गदर्शन किया है।संत रविदास एक उत्कृष्ट संत के रूप में हम सबों के सामने वे ध्रुवतारा की तरह सदैव चमकते रहेंगे। संत रविदास ने जो संदेश दिया, उनकी वाणी को हमें अपने जीवन में उतारने का प्रयास करते हुए समाज की जो समरसता है, स्पंदन है, स्वाद है, उसको बरकरार रखते हुए हम सबों को आगे बढ़ना चाहिए।श्री मुंडा ने कहा कि अभियान के माध्यम से सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के निर्माण के लिए व्यापक जन आंदोलन का एक ऐसा वातावरण बनाएंगे, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण सुनिश्चित करे। मौके पर मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाइक, प्रकाश सिंह और मीडिया सह प्रभारी अजय राय मौजूद थे।

## झारखंड की नियुक्तियों पर संजय सेठ का बड़ा सवाल,झारखंड में भर्ती घोटालों पर राहुल गांधी मौन क्यों

रांची(एजेंसी) : रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने झारखंड में भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर विषय है कि जिस एजेंसी को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने ब्लैकलिस्ट किया, उसी एजेंसी को झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा आयोजित करने का दायित्व दिया गया। यह निर्णय अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े करता है।श्री सेठ ने कहा कि विभिन्न परीक्षाओं में ओएमआर शीट में कथित हेराफेरी कर कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को सफल घोषित किए जाने तथा अधिक अंक प्राप्त करने वाले योग्य अभ्यर्थियों को न्यायालय की शरण लेने के लिए विवश होना पड़ा। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है।उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से लगातार भर्ती परीक्षाओं में एक ही एजेंसी की भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार ने न तो निष्पक्ष जांच कराई और न ही दोषियों के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई की। इससे यह आशंका और गहरी होती है कि कहीं पूरे तंत्र को संरक्षण तो नहीं दिया जा रहा।संजय सेठ ने 26 हजार सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि इस भर्ती में भी व्यापक अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आज तक अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है। आश्चर्य की बात यह है कि एक ही परीक्षा का परिणाम सात अलग-अलग चरणों में जारी किया गया। आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि परिणाम किस्तों में घोषित किए गए? इससे पूरी चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि कट-ऑफ अंक और अभ्यर्थियों के प्राप्तांक सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं, जिससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पूरी तरह संदेह के घेरे में आ गई है। यदि सरकार और आयोग के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो सभी अभ्यर्थियों के अंक एवं कट-ऑफ तत्काल सार्वजनिक किए जाने चाहिए।श्री सेठ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी सवाल पूछते हुए कहा कि आप पूरे देश में युवाओं के अधिकारों और रोजगार की बात करते हैं, लेकिन झारखंड के युवाओं के साथ हो रहे अन्याय पर आपकी चुप्पी क्यों है? झारखंड में आपकी पार्टी के समर्थन से सरकार चल रही है। क्या झारखंड के युवा देश के युवा नहीं हैं? या फिर यहां की सरकार को बचाने के लिए युवाओं के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ पर मौन साध लिया गया है?उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवा इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच चाहते हैं। राज्य सरकार को तत्काल सभी विवादित भर्ती प्रक्रियाओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।

## बुंडू अनुमंडल में चौकीदार परेड आयोजित, एसडीपीओ ने दिए सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के निर्देश

रांची(एजेंसी) : बुंडू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों की उपस्थिति में चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। परेड में अनुमंडल के सभी थानों के चौकीदारों ने भाग लिया तथा अनुशासन, एकरूपता एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया।परेड के उपरांत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओमप्रकाश ने बुंडू थाना, राहे थाना, सोनाहातू थाना, तमाड़ थाना, दशम फॉल थाना के थानेदार और बुंडू महिला थाना प्रभारी और सभी चौकीदारों को संबोधित करते हुए कहा कि चौकीदार ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस और आम जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने सभी चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण करने, विधि-व्यवस्था पर सतर्कता रखने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की सूचना तत्काल संबंधित थाना को देने तथा किसी भी आपराधिक घटना की जानकारी बिना विलंब पुलिस तक पहुँचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अफीम की गतिविधि, डोडा की गतिविधि की सूचना पुलिस को दी जाए । साथ ही बंगाल के बॉर्डर, खूंटी जिला के बॉर्डर में अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया।उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में चौकीदारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी चौकीदारों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अनुमंडल के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी चौकीदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर पुलिस कार्यों में सहयोग करने की अपील की।

## स्कूल की मांग को लेकर आठ गांवों के विद्यार्थियों एवं अभिभावको ने दिया धरना,कई बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दिया

हजारीबाग(एजेंसी) : पांच सूत्री मांगों को लेकर बड़कागांव की पश्चिमी क्षेत्र के 8 विस्थापित गांव के अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया। धरना का नेतृत्व मुखिया मोहम्मद इलियास अंसारी, आजादी बचाओ आंदोलन के नेता डॉक्टर मिथिलेश कुमार दांगी एवं राजेश यादव ने किया।धरना के बाद विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने हजारीबाग के उपायुक्त के नाम प्रखंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया गया है कि एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के खनन कारण के बड़कागांव पश्चिम क्षेत्र के आठ गांवों के विद्यालयो को ध्वस्त कर दिया गया है।जिनमें से मंझली ड-ाड़ी उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सोनबरसा मध्य विद्यालय, चुरचू प्राथमिक विद्यालय, चिरुडीह प्राथमिक विद्यालय, नगड़ी उर्दू मध्य विद्यालय, डलांगडीह प्राथमिक विद्यालय , सिंदवारी मध्य विद्यालय एवं उरुब प्राथमिक व मध्य विद्यालय शामिल है। इन विद्यालयों के साथ आठ आंगनबाड़ी केंद्र को भी ध्वस्त कर

दिया गया है। इस कारण विद्यार्थियों को पठन-पाठन करने में परेशानी बढ़ गई है। आवेदन में यह भी बताया गया है कि विद्यालयों को चार एवं पांच साल पहले ध्वस्त कर दिया गया है।परंतु आज तक नए भवन का निर्माण नहीं किया गया है।इन विद्यालयों को जहां सामंजित किया गया है वह विद्यालय विस्थापित परिवारों के लिए काफी दूर हो जाता है जिससे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है।दूरी के कारण छोटे-छोटे बच्चों को दूरी तय करना पड़ता था।इस कारण कई बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दिया है।डाड़ी कलां के टोला के चिचाल में कई विस्थापित परिवार बस गए हैं, इस टोला में पहली कक्षा से लेकर इंटर स्तर तक की पढ़ाई की व्यवस्था किया जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को उन स्थानों में प्रतिस्थापित किया जाए, जहां इन गांवों के लोग बसे हैं।पंकरी बरवाडीह परियोजना के पुनर्वास कॉलोनी में प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय की स्थापना किया जाए।जब तक इन विद्यालयों की व्यवस्था नहीं होती है तब तक एनटीपीसी के विद्यालय में विस्थापित गांव के बच्चों को निशुल्क पढ़ाई व्यवस्था किया जाए एवं आने जाने के लिए बस की सुविधा दिया जाए विस्थापित गांव के एक जगह बसाया जाए।धरना में आजादी बचाओ आंदोलन के डॉक्टर मिथिलेश कुमार दांगी,मोहम्मद इलियास अंसारी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, दिलेश्वर महतो, राजेश यादव, राजेश्वर महतो, बुधन महतो, संतोष कुमार, राजेश महतो ,दशमी देवी, सावित्री देवी, लखन कुमार ,जीतू महतो गीता देवी,विमला देवी, मंजू देवी सरस्वती देवी, टेकलाल महतो, जीतन महतो सेमत दर्जन लोग धरना में शामिल थे।

## श्रावणी मेला: होटल दर, सुरक्षा और सुविधा को लेकर प्रशासन सख्त, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने तय की दर

देवघर(एजेंसी) : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला 2026 के दौरान देवघर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने होटल संचालकों के लिए कई निर्देश जारी किये हैं। डीसी सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि 29 जुलाई से शुरू हो रहे एक माह के मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में कांवरिया और तीर्थयात्री बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे।श्रद्धालुओं के ठहराव को देखते हुए सभी होटलों को कमरों का रेट चार्ट प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। एक हजार से 7500 रुपये तक कमरे की दर, श्रेणी के अनुसार तय शुल्क,होटलों द्वारा उपलब्ध कराये गये वर्तमान निर्धारित दर के अनुसार देवघर में सामान्य कमरे की श-रूआती दर करीब 400 रुपये से 1000 रुपये तक है, जबकि एसी डबल बेड कमरे की दर लगभग 1200 रुपये से 5000 रुपये तक निर्धारित है। डीलक्स श्रेणी के कमरों की दर 1500 रुपये से 4800 रुपये, प्रीमियम श्रेणी की दर 3000 रुपये से 5000 रुपये तक है।सुइट श्रेणी के कमरों का शुल्क 3800 रुपये से 7500 रुपये तक रखा गया है। अतिरिक्त व्यक्ति के

लिए अलग से 100 रुपये से 1200 रुपये तक शुल्क निर्धारित किया गया है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं से कमरे की निर्धारित क्षमता से अधिक व्यक्ति ठहराने पर नियमानुसार अतिरिक्त शुल्क ही लिया जाये।डीसी ने होटल संचालकों को होटल परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता और पानी निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।मेला शुरू होने से पहले बिजली के तार, स्विच बोर्ड आदि की जांच कर दुरुस्त करने तथा अग्निशमन व्यवस्था को अद्यतन रखने को कहा गया है, ताकि दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।होटलों में चोरी एवं अन्य घटनाओं को देखते हुए मुख्य प्रवेश द्वार और महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है। होटल में ठहरने वाले सभी यात्रियों से आईडी प्रूफ और मोबाइल नंबर लेना अनिवार्य किया गया है।श्रावणी मेला में बाहर से आने वाले अस्थायी होटल और खाद्य सामग्री विक्रेताओं के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।बिना अनुज्ञप्ति खाद्य सामग्री बेचने पर फुड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट 2006 एवं रेगूलेशन 2011 के तहत कार्रवाई की जायेगी।स्थायी दुकानदारों को भी लाइसेंस अद्यतन कर दुकान पर प्रदर्शित करने और बिल पर लाइसेंस संख्या अंकित करने का निर्देश दिया गया है।सभी होटल संचालकों को श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था करने को कहा गया है।नो-एंट्री जोन में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा. होटल के बाहर या सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने पर कार्रवाई होगी।नगर निगम को होटल क्षेत्रों में कूड़ा प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है।

## भारी बारिश में बहा पुलिया, विधायक विकास सिंह मुंडा के निर्देश पर तत्काल हुई अस्थायी मरम्मत

खूंटी(एजेंसी) : खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के तिनतिला पंचायत अंतर्गत टोड़ांगडीह और चातोमउटूब गांव के बीच स्थित पुलिया हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण बह गई थी, जिससे स्थानीय ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था। पुलिया क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया।विधायक के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल मौके पर पहुंचे और आवागमन बहाल करने के लिए होम पाइप लगवाकर पुलिया की अस्थायी मरम्मत कराई। मरम्मत के बाद मार्ग को फिलहाल लोगों के आने-जाने योग्य बना दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है।इस दौरान विधायक प्रतिनिधि ने बताया कि तोड़ांग-घाघरा पथ पर इचाकुटी स्थित पुलिया की भी जल्द मरम्मत कराई जाएगी, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। स्थानीय ग्रामीणों ने त्वरित पहल के लिए विधायक और उनकी टीम का आभार जताते हुए स्थायी निर्माण की भी मांग की।

## पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री को दी गृह विभाग को छोड़ने की सलाह, साथ ही राज्य में स्थाई डीजीपी की तैनाती की मांग

पलामू(एजेंसी) : पलामू के मेदिनीनगर में मीडिया से बात करते हुए पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.एन. त्रिपाठी ने राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से गृह विभाग छोड़ने और राज्य में जल्द स्थायी डीजीपी की नियुक्ति करने की मांग की। त्रिपाठी ने कहा कि लंबे समय से स्थायी डीजीपी की नियुक्ति नहीं होने से पुलिस प्रशासन प्रभावित हो रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द स्थायी डीजीपी की नियुक्ति नहीं की और गृह विभाग में आवश्यक सुधार नहीं किए, तो सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी उलगुलान आंदोलन चलाया जाएगा। त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासनिक मोर्चे पर विफल रही है और जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

# ईडी की कार्रवाई: कोयला तस्करों व आउटसोर्सिंग कारोबारियों के कई ठिकानों छापेमारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश की कोयला राजधानी धनबाद में मंगलवार की सुबह से दो दर्जन अवैध कोयला कारोबारी सहित आउटसोर्सिंग कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी की। दस से चौदह घंटे तक चली छापेमारी से धनबाद के कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गई है। मंगलवार को तड़के ईडी की अलग- अलग टीमों ने कोयला कारोबार और आउटसोर्सिंग से जुड़े कई बड़े व्यवसायियों के 25 ठिकानों पर एक साथ बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू की। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे धनबाद शहर और कोयला उद्योग जगत में अफरातफरी मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह ईडी अधिकारियों की गाड़ियां केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ चिह्नित कारोबारियों के आवासों और कार्यालयों पर पहुंचे। गाड़ियों से उतरते ही सुरक्षा बलों ने सभी परिसरों को अपने कब्जे में ले लिया और प्रवेश व निकास द्वार बंद कर दिए। छापेमारी की जद में मुख्य रूप से चर्चित कोयला कारोबारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े व्यावसायिक सहयोगी आए हैं। जिन प्रमुख कारोबारियों व सहयोगियों के परिसरों पर कार्रवाई चल रही है। उनमें लोदना के गणेश यादव, शेखर यादव, पप्पू मंडल, कनकनी के झामुमो नेता हरेंद्र चौहान और आलोक, कतरास के रोहित यादव।ईडी के अधिकारी घरों





और कार्यालयों के अंदर मौजूद वित्तीय रिकॉर्ड्स, बैंक खातों के दस्तावेज, बेनामी संपत्तियों के कागजात और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस (मोबाइल, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव) की गहन जांच में जुटे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब ईडी ने धनबाद में इतनी बड़ी कार्रवाई की है. इससे पहले 21 नवंबर को भी प्रवर्तन निदेशालय ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के टेंडरों में बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी, अवैध कोयला खनन कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के सिलसिले में झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक साथ कार्रवाई की थी। उस दौरान झारखंड में 18 ठिकानों.(अकेले धनबाद में 17 ठिकाने) पर सुबह छह से बजे छापेमारी की गई थी. उस वक्त मुख्य रूप से एलबी सिंह के सरायढेला स्थित आवास कुंभनाथ सिंह के कुसुम बिहार स्थित आवास, दोनों के शिमलाबहाल स्थित संयुक्त परिसरों, संजय खेमका के धनसार स्थित मुख्य कार्यालय, दुमका में अमर मंडल के परिसरों में ईडी ने छापामारी की थी। माना जा रहा है कि मंगलवार को हो रही छापेमारी उसी पुरानी जांच की अगली कड़ी है, जिसमें नए सुराग और वित्तीय लेन-देन सामने आने के बाद ईडी ने यह कदम उठाया है। झरिया में ईडी का बड़ा एक्शन। 6 ठिकानों पर एक साथ ईडी ने दी दवीस। टीम ने कोयला कारोबार और जीएसटी पेपरों कि जांच की। झरिया प्रतिनिधि के अनुसार कोल लिंकेज और अवैध कोयला कारोबार मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को झरिया कोयलांचल में सबसे बड़ी कार्रवाई की। ईडी की रांची टीम ने एक साथ झरिया के 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया है। टीम के साथ सीआरपीएफ के जवान भी तैनात किए गए थे। ईडी की पहली दबीश सुबह करीब 6 बजे झरिया थाना क्षेत्र के चौथाई कुल्ही शिव मंदिर के पास स्थित राजेश साव के घर पर हुई। इसके अलावा शिमला बहाल निवासी एलबी सिंह के साला रंजीत सिंह, उनके रिश्तेदार ओम प्रकाश सिंह, विकास पास्वान, लोदना हुचूकटांड़ के कोयला कारोबारी गणेश यादव और चासनाला में कांग्रेस नेता इंडियाज आलम के आवास पर भी टीम ने एक साथ दबिश दी।सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम रांची नंबर की 3 और एक बंगाल नंबर की गाड़ियों से पहुंची थी। सभी जगहों पर टीम ने घरों को चारों तरफ से घेरकर जांच शुरू की। इस दौरान किसी को भी घर से बाहर आने-जाने की अनुमति नहीं दी गई। मीडिया कर्मियों को भी घटनास्थल के पास जाने से रोक दिया गया।सबसे लंबी कार्रवाई लोदना हुचूकटांड़ निवासी कोयला कारोबारी गणेश यादव के आवास और कार्यालय पर चली। टीम ने यहां करीब 10 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। ईडी अधिकारियों ने पहले कार्यालय में रखे कोयला परिवहन, बैंक लेनदेन, जमीन और जीएसटी से जुड़े कागजात खंगाले। इसके बाद घर के अंदर दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई।छापेमारी के समय गणेश यादव घर पर नहीं थे। परिजनों ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से बाहर हैं। टीम ने इस दौरान गणेश की पत्नी से कोयला कारोबार, वित्तीय लेनदेन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर पूछताछ की। करीब 10 घंटे बाद टीम कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और हार्ड डिस्क अपने साथ ले गई। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार घर से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन लोगों के घर ईडी पहुंची है, उन पर आरोप है कि वे कम समय में अवैध कोयला कारोबार और फर्जी जीएसटी पेपर लगाकर मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इन्हीं पैसों से इन लोगों ने शीश महल जैसे आलीशान मकान बना लिए हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई कोल लिंकेज घोटाले और अवैध कोयला कारोबार में लगे मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क को तोड़ने के लिए की गई है। जांच में सामने आया है कि कुछ कारोबारी फर्जी कंपनियों के जरिए जीएसटी बिल बनाकर कोयले की हेराफेरी कर रहे थे।सभी 6 ठिकानों पर कार्रवाई खत्म होने के बाद टीम दस्तावेजों के साथ वापस लौट गई। पूरे दिन इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। इस कार्रवाई के बाद झरिया के कोयला कारोबारियों में खलबली मच गई है।ईडी अधिकारियों ने कहा है कि जब्त किए गए दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक तक किसी की गिरµतारी नहीं हुई है। कतरास प्रतिनिधि के अनुसारः सोनारडीह थाना क्षेत्र के तेतुलिया में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने तीन स्थानों पर छापेमारी की। ईडी ने तेतुलिया निवासी रोहित यादव और उनके सहयोगी पप्पू दुबे के आवास पर पहुंचकर उनसे पूछताछ की। टीम ने घर में मौजूद दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों की भी जांच की। वहीं दूसरी और सोनारडीह रेलवे फाटक के समीप हरेंद्र चौहान के अकाउंटेंट विशाल रजक (पिताझ कैलाश रजक) के आवास पर भी ईडी ने छापेमारी की। अधिकारियों ने घर की गहन तलाशी लेकर आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। छापेमारी के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कार्रवाई को लेकर पूरे इलाके में दिनभर चचाओं का माहौल बना रहा।

## संक्षिप्त खबरें

### ओझाडीह में कैंप कोर्ट का आयोजन



### आठ मामलों का हुआ निष्पादन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), राँची के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर स्थाई लोक अदालत द्वारा ओझाडीह में पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि आयोजित कैंप कोर्ट में कुल आठ मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। इन मामलों के निस्तारण के दौरान 68,800 रूपए की रिकवरी कर संबंधित पक्षों को राहत प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि स्थाई लोक अदालत का उद्देश्य विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है, जिससे लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके।

### उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं।जनता दरबार में भूमि विवाद, अतिक्रमण, पेंशन, अबुआ आवास, राशन कार्ड, पेयजल, विद्युत, विस्थापन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।जनता दरबार के दौरान कई मामलों का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समाधान कराया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदकों को उचित राहत उपलब्ध कराई जाएगी।

### तालाब में डूबने से युवक की मौत



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पुटकी चिरूडीह गांव के पिपरा तालाब में सोमवार देर रात नहाने के दौरान डूबने से 28 वर्षीय युवक जितेन्द्र महतो की मौत हो गई। मृतक स्वर्गीय संतोष महतो का पुत्र था। परिजनों के अनुसार, जितेन्द्र सोमवार देर रात करीब तीन बजे घर से निकला था। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक घर नहीं लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर पिपरा तालाब की सीढ़ियों पर रखे एक जोड़ी चप्पल और कपड़ों पर पड़ी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और कपड़ों की पहचान जितेन्द्र के रूप में की। बताया गया कि अविवाहित जितेन्द्र पिछले करीब दो वर्षों से बीमार चल रहा था। तालाब में डूबने की आशंका की सूचना मिलते ही सांसद प्रतिनिधि राजीव महतो, मुखिया चमेली देवी, पूर्व मुखिया योगेन्द्रन दास एवं सविता देवी घटनास्थल पहुंचे। सूचना पर पुटकी पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने भटिंडा फॉल रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। भटिंडा फॉल रेस्क्यू टीम के गोताखोर मुकेश महतो, लाल महतो, टिंकू महतो, डब्लू महतो, सुबोध महतो, विश्वनाथ बाउरी एवं गंगाधर महतो ने करीब 10 फीट गहरे पानी में उतरकर युवक का शव बाहर निकाला। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### बाघमारा विधानसभा में 100% डिजिटाइजेशन पूरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) में बाघमारा विधानसभा क्षेत्र ने अपने सभी 355 मतदान केंद्रों के तीन लाख 3 हजार 288 मतदाताओं का 100% डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए बाघमारा विधानसभा की टीम को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने विशेष बधाई दी है। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ज़िले में कुल 2,372 मतदान केंद्र के 21 लाख 15 हजार 997 मतदाताओं में से 21 लाख 2 हजार 656 (99.37%) मतदाताओं के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि टुंडी विधानसभा में 99.95%, निरसा में 99.91%, झरिया में 99.53%, सिंदरी में 99.46% एवं धनबाद विधानसभा में 98.02% मतदाताओं का डिजिटाइजेशन पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि धनबाद जिले के 100% मतदाताओं का डिजिटाइजेशन निर्धारित समय सीमा में पूरा हो जाएगा।

## घरेलू विवाद में युवक की हत्या, पत्नी और नाबालिग बेटे पर हत्या का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के मुनीडीह ओपी क्षेत्र से घरेलू विवाद में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। गोपीनाथडीह बस्ती में 31 वर्षीय बिसु बाउरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने उसकी पत्नी और नाबालिग बेटे पर ईंट, पत्थर, बेलन और अन्य सामान से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच में जुटी हुई है।घटना मुनीडीह ओपी क्षेत्र के गोपीनाथडीह बस्ती स्थित वाशरी रोड की है। बताया जा रहा है कि देर रात बिसु बाउरी का अपनी पत्नी के साथ घरेलू विवाद हुआ था। इसके बाद उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के भाई, बहन और अन्य परिजनों का आरोप है कि बिसु बाउरी की पत्नी पूनम देवी और उसके नाबालिग बेटे ने ईंट, पत्थर, बेलन तथा अन्य वस्तुओं से हमला कर उसकी हत्या कर दी। परिजनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।मुनीडीह ओपी प्रभारी मानिता कुमारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से रॉड, डंडा, बेलन और ईंट बरामद किए गए हैं। मृतक के परिजनों के आरोप के आधार पर पत्नी और नाबालिग पुत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## कलयुगी पुत्र ने पिता की कुल्हाडी से काट कर हत्या की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : टुंडी थाना क्षेत्र के कमारडीह पंचायत अंतर्गत बादलपुर मे मंगलवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना घाटी है। कालीपद सोरेन(40) ने अपने 65 वर्षीय पिता चांद सोरेन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दिया। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र मे हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।घटना की सूचना पर डी एस पी नजीर अख्तर व टुंडी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमाशंकर घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी बेटे कालीपद सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शराब बनी वजह जानकारी के अनुसार पिता और बेटे के बीच आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। दोनों एक साथ बैठकर शराब भी पीते थे। इसी विवाद के कारण मंगलवार को आपसी लड़ाई इतनी बढ़ गई कि कलयुगी बेटे ने शराब के नशे मे कुल्हाड़ी से पिता के ह्त्या कर दी।फोटो टुं डी मे शराबी पुत्र ने की पिता की ह्त्या, भिड इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## झाड़ियों में मिली लावारिस नवजात बच्ची का एसएनएमएमसीएच में चल रहा इलाज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।बरवाअड्डा हुचुकटांड़ गांव के समीप झाड़ियों में लावारिस नवजात बच्ची मिलने के मामले को धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने अत्यंत गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान लिया है। संबंधित अधिकारियों को नवजात की सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल एवं कानूनी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने को कहा है। मिली जानकारी के अनुसार 27 जुलाई को बरवाअड्डा थाना द्वारा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा कल्याण समिति की सदस्य ममता अरोड़ा तथा संध्या प्रधान को दूरभाष पर सूचना दी गई कि हुचुकटांड़ गांव के पास झाड़ियों में एक नवजात शिशु मिली है। बाल कल्याण समिति बच्ची को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराने का निर्देश दिया था। नवजात को एसएनएमएमसीएच के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। उपायुक्त ने बच्ची की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने और इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने का निर्देश दिया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने नवजात की देखरेख के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन (ङ्क'ि ली'स्त्र'ल्ली) विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान (रअअ) तथा जिला बाल संरक्षण इकाई (ऊढव) के कर्मियों को रोस्टर के अनुसार प्रतिनियुक्त किया गया है। बाल संरक्षण इकाई एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस प्रशासन को बच्ची के जैविक माता-पिता तथा उसे इस गंभीर स्थिति में झाड़ियों में फेंकने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

## सीएम सोरेन ने संवाद कर जाना ड्राइविंग लाइसेंस बनने का अनुभव, उपायुक्त ने 15 लोगों को सौंपे लाइसेंस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स के बीच इंस्टीच्यूट ऑफ ड्राइविंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आइडीटीआर.)जमशेदपुर की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। इस क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद की षष्ठी देवी एवं जोनाकी दत्ता से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सभी जिले ऑनलाइन जुड़े थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन से बात की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने षष्ठी देवी व जोनाकी दत्ता से संवाद किया और पूछा कि लाइसेंस बनवाने में उन्हें कोई परेशानी तो नहीं हुई। षष्ठी देवी



ने बताया कि उन्होंने टू-व्हीलर व जोनाकी दत्ता ने बताया कि उन्होंने टू व्हीलर एवं लाइट मोटर व्हीकल चलाने के लिए लाइसेंस का आवेदन दिया था। दोनों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनको लाइसेंस लेने में कोई परेशानी नहीं हुई। कार्यक्रम के समापन के बाद उपायुक्त ने 15 लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए। उन्होंने सभी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस सिर्फ गाड़ी चलाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण पहचान-पत्र भी है। आजकल सरकारी प्रक्रियाओं में पहचान और पते के प्रमाण के रूप में ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट और आधार जैसे दस्तावेज की आवश्यकता होती है। इसलिए यह आम नागरिक के जीवन से सीधा जुड़ा दस्तावेज है। इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एमवीआई अभय कुमार, परिवहन कार्यालय, सड़क सुरक्षा टीम के कर्मी तथा अन्य लोग मौजूद थे।

## डीसी ने किया मुख्यमंत्री दाल भात केंद्रों का औचक निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीसी आदित्य रंजन ने मंगलवार को सदर अस्पताल, कोहिनूर मैदान, बरटांड बस स्टैंड सहित शहर में संचालित अन्य मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई, सिटिंग व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जन उपयोगी बनाने के



निर्देश दिए। दाल भात केंद्र में भोजन के लिए आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की प्रविष्टि, मोबाइल नंबर व आधार कार्ड नंबर की इंट्री करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे, इसके लिए व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। साथ ही भोजन की पौष्टिकता एवं स्वच्छता में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की संचालक को हिदायत दी। उन्होंने केंद्र पर पीने का शुद्ध पानी, बैठने की समुचित व्यवस्था और परिसर की नियमित सफाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

## मिनी हाइवा रोकने का विरोध करने पर सुमन सिन्हा का सिर फोड़ा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा बड़ा पांडेयडीह हटिया ग्राउंड निवासी सुमन कुमार सिन्हा ने सोनू साव उर्फ राहुल के खिलाफ गाली- गलौज, जान से मारने की धमकी देने और पत्थर से हमला कर सिर फोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित सुमन सिन्हा जनता मजदूर संघ (जमसं) के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम के समर्थक हैं। कुछ दिनों पूर्व बरोरा थाना क्षेत्र में भी उन पर जानलेवा हमला हो चुका है। थाना में दी गई शिकायत के अनुसार, घटना मंगलवार सुबह लगभग 8:30 बजे की है। सुमन सिन्हा के फाइबर ब्लॉक प्लांट के पास एक मिनी हाइवा को रोककर सोनू साव उसके ड्राइवर के साथ गाली-गलौज कर रहा था और गाड़ी का शीशा तोड़ने की धमकी दे रहा था। जब सुमन सिन्हा ने बीच- बचाव करते हुए सोनू साव को समझाने का प्रयास किया, तो आरोपी ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया और पत्थर से मारकर उनका सर फोड़ दिया। बीच बचाव करने आयी मां के साथ भी दुव्यवहार किया। पीड़ित के आवेदन के आधार पर पुलिस ने पूरे प्रकरण की गहनता से छानबीन कर रही है।

29-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 29-07-2026 07:10 Page 1



## संक्षिप्त खबरें

### लोहरदगा जिला में गणना प्रपत्रों के डिजिटा-इजेशन का कार्य हुआ शत-प्रतिशत पूर्ण

लोहरदगा(एजेंसी) : विशेष गहन पुनरीक्षण (एस-।आईआर)-2026 के अंतर्गत 72-लोहरदगा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिले के कुल 2,93,871 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए परियोजना निदेशक, आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) अमित कुमार, वरीय पदाधिकारियों, सभी प्रखंडों के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ)/प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी, बीएलओ पर्यवेक्षकों, सभी बीएलओ, विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), समाजसेवियों तथा जिले के सभी मतदाताओं के सहयोग की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।उपायुक्त ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास और सक्रिय सहभागिता से निर्धारित समय-सीमा के भीतर डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जा सका। उन्होंने बताया कि अब पूर्ण किए गए डिजिटाइजेशन के आधार पर 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

### कस्तूरबा विद्यालय में प्रबंधन समिति का हुआ गठन, सबाना आजमी बनी अध्यक्ष

गिरिडीह(एजेंसी) : कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, गांडेय में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से गठित प्रबंधन समिति में सबाना आजमी को अध्यक्ष और संतोष पंडित को उपाध्यक्ष चुना गया।इसके पूर्व कस्तूरबा विद्यालय में वार्डन अमन जहां की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन को ले बैठक की शुरूआत हुई।मौके पर पर्यवेक्षक प्रवीन कुमार की देखरेख में 15 सदस्यों का चयन हुआ। इसके उपरांत चयनित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष शबाना आजमी व उपाध्यक्ष के रूप में संतोष पंडित का चयन किया।मौके पर प्रमुख राजकुमार पाठक ने कहा कि चयनित समिति बच्चों के बेहतर शिक्षा एवं अन्य व्यवस्था पर ध्यान दें ताकि विद्यालय का सर्वांगीण विकास हो सके।मौके पर शिक्षिका शकीरा बानो,ललिता बाड़ा, ब्रह्मदेव पाण्डेय, पंसस श्याम पाठक, नव चयनित सदस्य रुबेदा खातून,काजल कुमारी,मीना देवी, सुशीला हेंब्रम,मुन्नी कुमारी,द्वारका मंडल, सुशीला कुमारी,शाहिदा खातून,निर्मला टुडू,रोशन खातून,अरविंद सोरेन,समसुल अंसारी,साबुनी देवी समेत काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

### विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर बच्चों और महिलाओं को किया गया जागरूक

बोकारो(एजेंसी) : विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पर्यावरण

विज्ञान एवं अभियांत्रि-।की विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र (आरपी) ने झारखंड फाउंडेशन केंद्र के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम के तहत कचरा रहित प्रकृति विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 200 बच्चों ने भाग लेकर स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण का संदेश दिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रख्यात चित्रकार प्रो. मोहन आजाद ने किया।दूसरे सत्र में करीब 50 ग्रामीण महिलाओं को वर्षा जल संचयन के महत्व की जानकारी दी गई।कार्यक्रम अधिकारी बिश्वजीत दास एवं पर्यावरणविद् डॉ. जयदेव कुमार महतो ने जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के कम उपयोग पर जोर देते हुए प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।इस अवसर पर पूर्व मुखिया गोरा चांद महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, दुर्गा दास चंद्र, दीपक कुमार महतो, अंगद कुमार, संजीव कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

### मछली व्यवसायी से दो लाख सात हजार की लूट का खुलासा, एसआईटी ने पांच अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह(एजेंसी) : गिरिडीह के पचम्बा थाना क्षेत्र स्थित मोहनपुर वन विभाग कार्यालय के सामने गिरिडीह-जमुआ मुख्य मार्ग पर सुबह करीब 9 बजे दो मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर एक मछली व्यवसायी से बैग सहित दो लाख सात हजार रुपये लूट लिए थे। इस संबंध में पचम्बा थाना में कांड संख्या-72/26, दिनांक 23.07.2026 को धारा-309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने श्री रुपेन्द्र कुमार राणा, पुलिस उपाधीक्षक-02 के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने मानवीय आसूचना व तकनीकी सहयोग से जांच करते हुए घटना में शामिल 5 अपराधियों को हथियार, गोली, मोटरसाइकिल और लूटी गई राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में दीपक कुमार वर्मा, पप्पु प्रसाद वर्मा, विजय राय उर्फ बाबा, अशोक दास और शंकर दास उर्फ भांगड़ा शामिल हैं। पूछताछ में इन्होंने 2 जुलाई 2026 को गाण्डेय थाना क्षेत्र के बंधाबाद गांव में फाइनेंस कर्मी से हथियार के बल पर 1,46,000 रुपये लूटने की घटना में भी संलिप्तता स्वीकार की।पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देशी कट्टा, तीन जिंदा गोली, दो मोटरसाइकिल तथा लूट की राशि में से 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से कई का पूर्व में भी लूट, डकैती, चोरी व पॉक्सो एक्ट जैसे संगीन मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है।

# राज्यसभा सांसद नथवाणी के सवाल खान राज्यमंत्री ने सदन को दी जानकारी, पांच वर्षों में राज्य में कोयला खनन से प्रभावित 6591 परिवार का हुआ पुनर्वास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में काम कर रहे विभिन्न कोयला कंपनियों ने पिछले पांच वर्षों में खनन परियोजना के कारण विस्थापित हुए 6591 परिवारों का पुनर्वास किया है।इस अवधि में कोयला खनन प्रभावित परिवारों को बीच 1108 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित बांटा गया।केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने मंगलवार राज्यसभा में यह जाकारी दी।कोयला राज्य मंत्री श्री दुबे राज्यसभा सांसद परिमल नथवाणी के सवाल का जवाब दे रहे थे।सांसद श्री नथवाणी पिछले पांच वर्षों के दौरान झारखंड राज्य में कोयला खनन परियोजनाओं के कारण

विस्थापित हुए परिवारों की संख्या और उनके पुनर्वास के लिए चलायी जा रही योजना की जानकारी मांगी थी।इस सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कोल कंपनियों द्वारा उठाये कदम का ब्यौरा दिया। उन्होंने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) की सहायक कंपनियां जिनमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स

लिमिटेड (इसीएल) और एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनआइसीएल) शामिल हैं।इन सारी कंपनियों ने कुल 1791 परियोजना प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया।वहीं पुनर्वास व पुनर्व्यवस्था तथा भूमि व संपत्ति मुआवजे के रूप में 587 करोड़ रुपये वितरित किये। यह भी जानकारी दी गयी कि सीसीएल ने 968 और इसीएल ने 174 नौकरियां दी. केंद्रीय मंत्री ने बताया कि झारखंड में तीन कोयला खानों पकरी-बरवाडीह, चट्टी-बरियातू और केरंदरी से जुड़ी कोयला खनन गतिविधियों के कारण कुल 4,800 परिवार विस्थापित हुए। झारखंड में एनटीपीसी की कोयला खानों द्वारा 520.80 करोड़ रुपये की राशि का मुआवजा वितरित किया गया है। मंत्री के जवाब में यह भी बताया कि पचवारा साउथ ओपन कास्ट प्रोजेक्ट और एनएलसीआइएल ने 86 परियोजना प्रभावित परिवारों को आवास के बदले मुआवजा प्रदान किया है, जबकि पांच प्रभावित परिवारों को रोजगार के बदले एकमुश्त मुआवजा दिया।केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुबे ने बताया कि चिह्नित पुनर्वास मामलों पर मामला-दर-मामला के आधार पर कार्रवाई की गयी है।पुनर्वास संबंधी मुद्दों के समय पर समाधान के लिए नियमित समीक्षा बैठक होती है।केंद्र सरकार पुनर्वास और व्यवस्था के लिए प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है।

## सीसीएल में त्रिस्तरीय सुरक्षा समिति की बैठक,तय कार्यक्रम के अनुरूप सुरक्षा मानकों को लागू किया जायेगा : सीएमडी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की 37वीं कॉर्पोरेट स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में डीजीएमएस, सीसीएल प्रबंधन तथा सीसीएल सेफ्टी बोर्ड के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने की।बैठक के दौरान सीसीएल के सुरक्षा मानकों एवं उसके अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। कार्यस्थल सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, वैधानिक अनुपालन तथा खदान कर्मियों के कल्याण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों पर चर्चा की गई।

सीसीएल सीएमडी श्री सिंह ने कहा कि तय कार्यक्रम के अनुरूप

सुरक्षा मानकों को लागू किया जायेगा। सीसीएल का दृष्टिकोण श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस-।को ध्यान में रखकर कदम से कदम मिलाकर देशहित में कोयला उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने का आह्वान किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीजेड एसएस प्रसाद ने ने खदान में कार्य करने वाली महिलाओं के लिए आधारभूत संरचना एवं सुरक्षा के पहलुओं पर जोर दिया। साथ ही हरेक साल होने वाली प्राथमिक चिकित्सा जांच के लिए आवश्यक संरचना को अद्यतन बनाने का सुझाव दिया।डीडीजी आरटी मंडेकर ने महिलाओं के लिए अलग वॉशरूम तुरंत बनाने का स-।ुझाव दिया।साथ ही अत्याधुनिक वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर बनाने को कहा।नये श्रम कानून के अंतर्गत ओक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ के तहत के तहत एक स्पेशल टास्क फोर्स बनाकर उसे तत्काल लागू करने का सुझाव दिया। बैठक की शुरूआत में सेफ्टी बोर्ड के सभी सम्मानित सदस्यों ने कोयला खदानों में सुरक्षा संबंधित पूर्व के अनुभव एवं चुनौतियों के संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

### कुचाई चौक से कस्तूरबा विद्यालय तक पीसीसी सड़क निर्माण की मांग, भाजपाइयों व ग्रामीणों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

सरायकेला(एजेंसी) : सरायकेला-खरसावां जिल के कुचाई मुख्य पथ से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के समीप स्थित पुलिया तक पीसीसी सड़क निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीणों के साथ भाजपाइयों ने बीडीओ साधुचरण देवगम को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में सड़क की जर्जर स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्षों से मरम्मत नहीं होने के कारण पूरी तरह बदहाल हो चुका है।सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गये हैं और बारिश के दौरान उनमें पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।बारिश के दिनों में कीचड़ और जलजमाव के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।गड्ढों में पानी भरे रहने से वाहन चालकों को सड़क की स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।ज्ञापन सौंपने पहुंचे जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, जिला परिषद सदस्य झींगी हेम्ब्रम, प्रखंड प्रमुख गुड्डी देवी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सड़क निर्माण होने से क्षेत्र के लोगों को वर्षभर बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

## सड़क हादसे में अधेड़ की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लोहरदगा(एजेंसी) : कुडू थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 39 कुडू - रांची मुख्य पथ पर चेटर मोड के समीप कार की चपेट में आने से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई।अधेड़ की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल हो गया है।पुलिस को सूचना दी गई है, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया जाता है कि कैरो थाना क्षेत्र के गुड़ी गांव निवासी शेख सुधू का 65 वर्षीय पुत्र शेख सज्जन अपने टीवीएस से गांव-गांव में देशी मुर्गी का खरीद-बिक्री करने के लिए निकला था।मकांदू व आसपास के गांवों से देशी मुर्गी खरीद कर वापस अपने घर लौटने के लिए जा रहा था इसी बीच कुडू की तरफ से तेज रफ्तार से रांची की तरफ जा रही कार ने टीवीएस बाइक को जोरदार ठोकर मार दिया इससे बाइक शेख सज्जन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक कार को लेकर रांची की तरफ भाग निकला।मंगलवार सुबह दस बजे घटित घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक शेख सज्जन देशी मुर्गी का खरीद बिक्री करते हुए परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।शेख सज्जन की मौत के बाद परिजनों का हाल बेहाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## चार साल बाद कब्र खोदकर निकाला गया कंकाल, पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए भेजा गया

गुमला(एजेंसी) : गुमला के रायडीह थाना क्षेत्र के नवागढ़ बैगा टोली में चार वर्ष पहले दफनाए गए एक शव को मंगलवार को प्रशासनिक निगरानी में कब्र से बाहर निकाला गया। मृतक के कंकाल को पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए भेज दिया गया है। यह कार्रवाई मृतक की पुत्री द्वारा अपने पिता की हत्या का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई गई प्राथमिकी के बाद की गई।जानकारी के अनुसार, नवागढ़ बैगा टोली निवासी उर्मिला देवी (35 वर्ष) ने रायडीह थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनके पिता मलकन बैगा की 7 जून 2022 को डायन-बिसाही के आरोप में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में उनके चाचा दीपक बैगा, चाची झबली देवी, चचेरा भाई हीरा बैगा सहित गांव के गंगा बैगा, राजेश बैगा, देवकी देवी, पोको देवी, स-।करो देवी और सुरमई देवी शामिल थे।उर्मिला देवी का आरोप है कि हत्या के बाद पूरे गांव ने मामले को दबाने की कोशिश की और किसी को भनक न लगे, इसलिए शव को बैगा टोली स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया गया। चार वर्षों तक यह मामला दबा रहा, लेकिन अब पुत्री की शिकायत के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की।शिकायत के आधार पर रायडीह थाना में कांड संख्या 29/2026 दर्ज किया गया। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी, चैनपुर के निर्देश पर मंगलवार को अंचलाधिकारी की मौजूदगी में कब्र की खुदाई कर मलकन बैगा के कंकाल को बाहर निकाला गया। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी और पुलिस की उपस्थिति में संपन्न हुई।निकाले गए कंकाल को वैज्ञानिक जांच के लिए पोस्टमार्टम एवं डीएनए परीक्षण हेतु भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।मौके पर अंचलाधिकारी शैलेन्द्र चौरसिया, रायडीह थाना प्रभारी संदीप कुमार यादव, सीआई प्रदीप कुमार सहित पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी भी कराई।यह मामला एक बार फिर समाज में फैले डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास की भयावह सच्चाई को उजागर करता है। यदि शि-।कायत में लगाए गए आरोप जांच में सही साबित होते हैं, तो यह न केवल एक जघन्य हत्या का मामला होगा, बल्कि अंधविश्वास के नाम पर कानून और मानवता को चुनौती देने वाली गंभीर घटना भी मानी जाएगी।फिलहाल पुलिस सभी आरोपों की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम और डीएनए रिपोर्ट के साथ-साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## पुलिस ने चोरी की वारदात का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी का पूरा सामान बरामद

कोडरमा(एजेंसी) : कोडरमा थाना क्षेत्र के वृन्दा गांव में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पूरे मामले की जानकारी एसडीपीओ प्रमोद केशरी ने दी।उन्होंने बताया कि वृन्दा निवासी गुरु प्रसाद साव, पिता नारायण साव के घर में अज्ञात अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। मामले में पीड़ित के लिखित आवेदन पर कोडरमा थाना कांड संख्या 136/26, दिनांक 8 जुलाई 2026 के तहत बीएनएस की धारा 305 एवं 331(4) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी

अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया, जिसमें तकनीकी शाखा के कर्मियों को भी शामिल किया गया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मानवीय सूचना और अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर तौफिक अंसारी, पिता नूर मोहम्मद अंसारी, निवासी असनाबाद (अम्बाटांड़) तथा मो. आतिफ मंसूरी, पिता मो. असरफ, निवासी करमा (पूर्वी गली), दोनों थाना तिलैया, जिला कोडरमा को गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान दोनों आ-रोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी गए सभी आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसा-इकिल (जेएच12जी-5323) भी जब्त कर ली।बरामद सामान में सोने के सदृश्य मंगलसूत्र, कान के टॉप, नाक का नकछन, चांदी के सदृश्य पायल, सिक्के, विभिन्न आर्टिफिशियल आभूषण, नकद 10 हजार रुपये, सैमसंग एवं इनफिनिक्स कंपनी के स्मार्टफोन, औजार तथा ज्वेलरी की खरीद का बिल शामिल है।छापेमारी दल में थाना प्रभारी अरविंद कुमार, पु.अ.नि. धनेश्वर कुमार तथा कोडरमा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।एसडीपीओ प्रमोद केशरी ने बताया कि कोडरमा पुलिस आमजन की स-ुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

## कोडरमा घाटी में बस-ट्रक की टक्कर, चार वाहन भिड़े,घंटों जाम से यात्री रहे परेशान

कोडरमा(एजेंसी) : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा घाटी के मेघातरी के समीप सोमवार देर रात बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर के बाद चार वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे के बाद घाटी में कई घंटे तक जाम लगा रहा, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिहार के सिवान से टाटा जा रही शिव शक्ति नामक बस मेघातरी के पास अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे एक ट्रक को किनारे से टक्कर मार दी।टक्कर के बाद बस को बचाने के प्रयास में ट्रक भी अनियंत्रित हो गया और आगे खड़े दो अन्य ट्रकों से जा भिड़ा।इस तरह कुल चार वाहन दुर्घटना की चपेट में आ गए. हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई।यात्री दहशत में आ गए, हालांकि सभी को केवल मामूली चोटें आईं।दुर्घटना के बाद चारों वाहन सड़क पर ही खड़े हो गए, जिससे रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा घाटी में जाम लग गया।जाम के कारण यात्री बसों और अन्य वाहनों में सफर कर रहे लोगों को घंटों फंसे रहना पड़ा।घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा थाना की पेट्रोलिंग पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और रांची-पटना मुख्य मार्ग पर वाहनों का परिचालन सामान्य हो सका।

## संक्षिप्त खबरें

### कटिहार मंडल में रेल सेवा पुरस्कार समारोह आयोजित, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 51 रेलकर्मी सम्मानित

कटिहार, 28 जुलाई (हि.स.)। कटिहार रेल मंडल में वर्ष 2024-25 के रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण, उत्कृष्ट कार्यशैली और रेलवे की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 51 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह ने प्रशस्ति-पत्र एवं रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा निवेदिता नरह, अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज कुमार सिंह एवं महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा पूजा सिंह द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में डीआरएम श्री नरह ने पुरस्कार प्राप्त रेलकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने तथा रेलवे के विकास में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मंडल के सभी विभागों के अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियनों एवं एसोसिएशनों के पदाधिकारी, महिला कल्याण संगठन के सदस्य तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे। समारोह का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अंजनी प्रसाद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान मंडल सांस्कृतिक एसोसिएशन एवं स्काउट एंड गाइड द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

### सासाराम से अगवा युवती राजस्थान से बरामद, ढाई लाख रुपये में बेचने वाले गिरोह का खुलासा

सासाराम, (एजेंसी): रोहतास जिले के सासाराम नगर थाना क्षेत्र से साढ़े तीन महीने पहले बहला-फुसलाकर अगवा की गई युवती को पुलिस ने राजस्थान के झालावाड़ जिले से सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस जांच में मानव तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा हुआ है। आरोप है कि गिरोह के सदस्यों ने युवती को राजस्थान में ढाई लाख रुपये में बेच दिया था। पुलिस के अनुसार, युवती के लापता होने के बाद परिजनों ने 7 अप्रैल 2026 को सासाराम नगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुरूआती जांच में मामला सामान्य गुमशुदगी का लग रहा था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी और गहन जांच शुरू की तो मामला मानव तस्करी से जुड़ा सामने आया। जांच के दौरान पुलिस को युवती के राजस्थान में होने की जानकारी मिली। इसके बाद सासाराम नगर थाना पुलिस की विशेष टीम राजस्थान के लिए रवाना की गई। पुलिस टीम ने राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी थाना क्षेत्र अंतर्गत नानौर गांव में छापेमारी कर युवती को मुक्त कराया। इस दौरान पुलिस ने दो आरोपियों तूफानी सिंह और पिंटू राठौर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, युवती को बंधक बनाकर रखा गया था। उसे सुरक्षित बरामद करने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सासाराम के एसडीपीओ-1 विप्लव कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस गिरोह से जुड़े स्थानीय लोगों और बिचौलियों की पहचान की जा रही है। जांच के आधार पर जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। एसडीपीओ ने बताया कि कम लिंगानुपात वाले कुछ राज्यों में शादी के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से लड़कियों की तलाश की जाती है। इसी का फायदा उठाकर कुछ आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं, जो भोले-भाले परिवारों की लड़कियों को शादी या रोजगार का झांसा देकर दूसरे राज्यों में बेचने का काम करते हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है, ताकि गिरोह में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सके।

### सुपौल में दर्दनाक हादसा: पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 11 वर्षीय बच्ची की मौत, गांव में पसरा मातम

सुपौल, (एजेंसी): सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत दीना पट्टी पंचायत के पिपराही गांव में एक दर्दनाक हादसे में 11 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से बच्ची की जान चली गई। मृतका की पहचान पिपराही गांव निवासी शिवकुमार ठाकुर की 11 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रियंका सोमवार शाम करीब 4 बजे अपने घर से निकली थी। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। देर रात तक तलाश करने के बावजूद बच्ची का कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह गांव के पास स्थित एक ईंट-भट्ठा चिमनी के समीप जलभराव वाले गहरे गड्ढे में प्रियंका का शव तैरता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बच्ची की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। प्रियंका अपने तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। बेटी की मौत के बाद मां लीला देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि ईंट-भट्ठों के आसपास कई जगहों पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाता है। बिना सुरक्षा इंतजाम के खुले छोड़े गए ये गड्ढे हादसों का कारण बन रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से ऐसे सभी गड्ढों की तत्काल घेराबंदी कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। घटना की सूचना मिलने के बाद पिपरा थानाध्यक्ष किशोर कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सुपौल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलने पर मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### प्रेमी से शादी की चाह में दो मासूम बच्चों की हत्या: गया कोर्ट ने मां को सुनाई उम्रकैद, 50 हजार रुपए का जुमार्ना

गया, (एजेंसी): बिहार के गया जिले में वर्ष 2017 में दो मासूम बच्चों की हत्या के बहुचर्चित मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। गया के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-1) शशिकांत ओझा की अदालत ने दोषी मां ब्यूटी देवी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना 7 फरवरी 2017 की रात गुरारू थाना क्षेत्र में हुई थी। मामले में मृत बच्चों के दादा उदय शंकर सिंह की लिखित शिकायत पर गुरारू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायत में ब्यूटी देवी पर अपने ही दो मासूम बच्चों की हत्या का आरोप लगाया गया था। एफआईआर के अनुसार, ब्यूटी देवी का एक युवक के साथ प्रेम संबंध था और वह उससे विवाह करना चाहती थी। आरोप है कि उसे अपने दो छोटे बच्चे इस संबंध में बाधा प्रतीत हो रहे थे। इसी वजह से उसने कथित तौर पर दोनों बच्चों की हत्या की साजिश रची। घटना वाली रात परिवार के अन्य सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान घर में मौजूद दो वर्षीय भोलू कुमार और चार वर्षीय गुड़िया कुमारी की आग लगने से मौत हो गई।

# फर्जी दस्तावेजों से विकास मित्र नियुक्ति मामला: पटना हाईकोर्ट ने तीन महीने में जांच पूरी करने का दिया आदेश

पटना, (एजेंसी): गोपालगंज जिले के भोरे प्रखंड अंतर्गत लमीचौर पंचायत में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विकास मित्र पद पर हुई नियुक्ति के मामले में पटना हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति डॉ. अंशुमन की एकलपीठ ने रामप्रवेश कुमार की ओर से दायर रिट याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश जारी किया। याचिकाकर्ता रामप्रवेश कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि लमीचौर पंचायत में विकास मित्र के पद पर नियुक्त प्रीति कुमारी ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि

नियुक्ति के लिए दो-दो मैट्रिक अंकपत्र, फर्जी जाति प्रमाण पत्र तथा माता-पिता के आधार कार्ड और राशन कार्ड में हेरफेर कर लाभ हासिल किया गया। याचिकाकर्ता ने इस नियुक्ति को रद्द करने और अपनी योग्यता के आधार पर नियुक्ति देने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान बिहार महादलित विकास मिशन की ओर से अधिवक्ता प्रशांत प्रताप ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट के समक्ष प्रारंभिक आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से मांगी गई क्वो वारंटो याचिका कानूनी रूप से विचार योग्य नहीं है, क्योंकि विकास मित्र का पद किसी सार्वजनिक पद की श्रेणी में नहीं आता है। इसके बाद याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने इस मांग को वापस ले लिया। वहीं, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि बिहार महादलित विकास मिशन के निर्देश पर संबंधित कर्मी को दस्तावेजों के सत्यापन तक कार्य करने से रोक दिया गया है। साथ ही नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों की विभागीय और प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों और राज्य सरकार तथा बिहार महादलित विकास मिशन की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करते हुए कहा कि चूंकि जांच प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, इसलिए याचिकाकर्ता की शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई जारी है। न्यायमूर्ति डॉ. अंशुमन ने संबंधित अधिकारियों और बिहार महादलित विकास मिशन को निर्देश दिया कि तीन महीने के भीतर जांच प्रक्रिया को पूरा कर मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए। अब इस मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद ही नियुक्ति की वैधता को लेकर अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी।

# राजस्व संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गया के एमवीआई सम्मानित

### बिहार परिवहन विभाग ने प्रशस्ति-पत्र देकर सराहा, उत्कृष्ट कार्य के लिए दी शुभकामनाएं

गया जी (एजेंसी): गया जिला परिवहन विभाग के लिए गौरव का क्षण तब आया जब बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) सुनील कुमार सिंह को प्रशस्ति-पत्र

प्रदान कर सम्मानित किया। विभाग द्वारा यह सम्मान उनके कुशल नेतृत्व, प्रभावी कार्यशैली और राजस्व संग्रहण में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दिया गया।परिवहन विभाग ने जारी प्रशस्ति-पत्र में कहा है कि संबंधित अधिकारियों ने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य किया है। उनके प्रयासों से विभागीय राजस्व में वृद्धि हुई है तथा परिवहन विभाग के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें सम्मानस्वरूप प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया है।

एमवीआई सुनील कुमार सिंह ने इसे अपने लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ विभागीय दायित्वों का निर्वहन करने की बात कही। परिवहन विभाग ने दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी इसी प्रतिबद्धता और दक्षता के साथ कार्य करते हुए विभाग की उपलब्धियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस सम्मान से गया जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

### प्रतापगंज में 20 लीटर देशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

सुपौल, (एजेंसी): बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के बीच प्रतापगंज थाना पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 लीटर देशी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

यह कार्रवाई प्रतापगंज थाना क्षेत्र के तेकुना पंचायत अंतर्गत इमामपट्टी में चलाए जा रहे विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मोटरसाइकिल से अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच अभियान तेज किया।जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक संदिग्ध अवस्था में आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली तो उनके पास से 20 लीटर देशी शराब बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपितों में ठेकुआ पंचायत के वार्ड संख्या-10 निवासी सूरज कुमार और मनोज कुमार है। पुलिस दोनों को थाना लाकर पूछताछ कर रही है। मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही शराब की तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है।प्रतापगंज थाना पुलिस ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में सुपौल जेल भेजा जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और उसकी आपूर्ति किस स्थान पर की जानी थी।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है।

### दो दिन से लापता युवक का शव नदी में मिला, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा मौत के कारणों का खुलासा

सुपौल, 28 जुलाई (हि.स.)। जिले के प्रतापगंज थाना क्षेत्र में दो दिनों से लापता एक युवक का शव सोमवार शाम तिलाठी धार के पास नदी में उतराता मिला।मृतक की पहचान भवानीपुर दक्षिण पंचायत के वार्ड संख्या-3 स्थित दास टोला निवासी 30 वर्षीय शनिचर दास के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया।

परिजनों की मौजूदगी में शव की पहचान कराई गई। शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि शनिचर दास शनिवार सुबह घर से चापाकल गाड़ने का काम करने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद रविवार को नदी में डूबने की आशंका जताई गई।सूचना पर प्रतापगंज थाना पुलिस ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), फोरेंसिक टीम और प्रशिक्षित खोजी श्वान की मदद से व्यापक खोज अभियान चलाया, लेकिन पहले दिन सफलता नहीं मिली। सोमवार शाम तिलाठी धार के पास नदी में शव उतराता दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।प्रतापगंज थानाध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि मामले में यूडी केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत का प्रतीत होता है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# गया जंक्शन: सावन को लेकर हाई अलर्ट, आरपीएफ- जीआरपी ने कसी सुरक्षा व्यवस्था

### कांवरियों की भीड़ को देखते हुए प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में बढ़ेगी निगरानी, लगातार चलेगा सर्च अभियान

गया जी : सावन माह में कांवरियों की सम्भावित बढ़ती भीड़ को देखते हुए गया जंक्शन की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ की जा रही है। आरपीएफ एवं जीआरपी ने संयुक्त रूप से व्यापक सुरक्षा रणनीति तैयार की है। इसके तहत प्लेटफॉर्म, फुट-ओवर ब्रिज, सकुर्लेटिंग एरिया तथा ट्रेनों में अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी। साथ ही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सर्च अभियान चलाने और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेल थानाध्यक्ष शिवकुमार, आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव, सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार सहित दोनों सुरक्षा एजेंसियों के कई अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सावन के दौरान यात्रियों एवं कांवरियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर सहमति जताई।

कांवरियों को मिलेगी हर संभव सहायता, अपराधियों पर रहेगी कड़ी नजर

बैठक में निर्णय लिया गया कि 30 जुलाई से प्रारंभ हो रहे सावन माह के दौरान गया जंक्शन पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी। गया जंक्शन से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु ट्रेन के माध्यम से सुल्तानगंज पहुंचकर उत्तर-वाहिनी गंगा से जल भरने के लिए रवाना होते हैं। इसी कारण स्टेशन परिसर और ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है।

सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टेशन परिसर में लगातार गश्त की जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाए तथा यात्रियों और कांवरियों को आवश्यक सुरक्षा एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जेबकतरों, चोरी, नशाखुरानी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संयुक्त अभियान चलाने पर जोर दिया। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज तथा ट्रेनों में नियमित जांच अभियान चलाएगी। अधिकारियों ने यात्रियों से भी अपील की कि वे सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल या जीआरपी को दें ताकि सावन के दौरान श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम बनी रहे।

# लापता दो नाबालिग बहनों की बरामदगी को लेकर ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों ने धरना दिया

सहरसा, (एजेंसी) :जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना मुख्यालय के चौधरी टोला स्थित वार्ड संख्या 17 निवासी सुरेश चौधरी की दो पुत्रियों के लापता होने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी 14 वर्षीय चांदनी कुमारी और छह वर्षीय राधिका कुमारी का कोई सुराग नहीं मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। दोनों बहनों की सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर मंगलवार को चौधरी टोला में एक दिवसीय धरना दिया गया।

धरना में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि घटना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। चार दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ अब तक कोई ठोस सफलता नहीं लगना चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विशेष टीम गठित कर दोनों

बहनों की जल्द से जल्द सकुशल बरामदगी सुनिश्चित की जाए।

धरना के दौरान लोगों ने कहा कि पूरा गांव पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और जब तक दोनों बच्चियों का पता नहीं चलता, तब तक ग्रामीणों की चिंता बनी रहेगी। उन्होंने पुलिस से खोजबीन में तेजी लाने और हर संभावित स्थान पर सघन जांच अभियान चलाने की अपील की। धरना स्थल पर सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन, सभापति प्रतिनिधि अबू तोरब, उपसभापति प्रतिनिधि विकास कुमार विक्की, खगेश कुमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्रवण कुमार, पूर्व मुखिया लालन कुमार, लोजपा नेता श्याम भारती, अमित भगत समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बच्ची की मां धरना के दौरान भी वह बार-बार अपनी बेटियों को याद कर कहती रहीं, मेरी लाडो बेटियों को वापस ला दीजिए। इसके बाद वह कई बार बेसुध होकर गिर पड़ीं। वहां मौजूद महिलाओं ने उन्हें संभालने और ढांढस बंधाने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि विगत शुक्रवार की शाम चांदनी और राधिका रानी बाग बाजार में श्रृंगार का सामान खरीदने के लिए घर से निकली थीं। इसके बाद से दोनों का कोई पता नहीं चल सका है। काफी खोजबीन के बाद भी सफलता नहीं मिलने पर

### प्रत्येक पंचायत में 1,000 किसानों का होगा पंजीकरण

कटिहार, (एजेंसी): कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की व्यापक समीक्षा हेतु मंगलवार को जिला कृषि कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। पूर्णियाँ प्रमंडल के संयुक्त निदेशक (शष्य) श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए दुकानों की रोजाना सघन जांच करने और सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए।

बैठक के मुख्य बिंदुओं के तहत संयुक्त निदेशक ने जिले के सभी थोक एवं खुदरा उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उर्वरक विक्रेताओं द्वारा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्वयं एवं अपने अधीनस्थ उर्वरक निरीक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन कम-से-कम 10 उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर ऑनलाइन प्रतिवेदन अपलोड करें तथा स्टॉक पंजी, विक्रय पंजी, मूल्य सूची और पॉस मशीन का अद्यतन सत्यापन सुनिश्चित करें।

डिजिटल पंजीकरण और फसल आच्छादन पर जोर देते हुए बिहार कृषि एप के माध्यम से किसानों का पंजीकरण निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूरा करने को कहा गया है। इसके साथ ही, खरीफ फसल आच्छादन का वास्तविक एवं सत्यापित आंकड़ा प्रतिदिन ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने तथा प्रत्येक पंचायत में 1,000 किसानों का पंजीकरण कराने का कड़ा निर्देश दिया गया।बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, धरती बचाओ अभियान, किसान पाठशाला, उर्वरक नमूना संग्रहण और उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इसके अलावा आत्मा योजना के अंतर्गत किसानों के क्षमता विकास पर विशेष बल देते हुए योग्य व प्रगतिशील किसानों का चयन कर राज्य के भीतर तथा बाहर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया,

## संपादकीय

### जेन-जी के मकडजाल में फंसी सरकार?

नीट पेपरलीक मामले को आधार बनाकर कॉकरोच जनता पार्टी ने एक आंदोलन की शुरूआत की। यह आंदोलन बड़ी तेजी के साथ सारे देश में फैल गया। आंदोलनकारी अपने-अपने घरों से निकलकर प्रदर्शन में शामिल हुए। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर में शुरू हुआ यह आंदोलन देखते ही देखते सारे देश में फैल गया। 20 राज्यों के लगभग 300 स्थानो पर जेन-जी के युवा जिनकी उम्र 16 वर्ष से लेकर 30 वर्ष के बीच में थी। बड़ी संख्या में अपने मां-बाप के विरोध के बावजूद सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। जंतर-मंतर में जिस तरीके से युवाओं ने प्रदर्शन किया, उसने सभी को चौंका दिया। सरकार को भी चिंता हुई, आंदोलन को समाप्त करवाने के लिए सरकार सक्रिय हुई। सबसे पहले सोनम वांगचुक का अनशन खत्म कराया। उसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी से बातचीत करके शर्तों के साथ यह आंदोलन खत्म कराने में सरकार सफल रही। ऐसा लगा कि यह मामला निपट गया है। आंदोलन खत्म करने सरकार ने जो आश्वासन काकरोंच जनता पार्टी को दिए थे, उन आश्वासनों को पूरा करने के स्थान पर सरकार ने सारा ध्यान नीट पर लगा दिया है। सरकार ने ताबड़-तोड़ तरीके से एंटी पेपर लीक बिल संसद में पेश कर दिया है। 10 साल की जेल और 10 करोड़ रुपए जुमार्ना का प्रावधान किया है। सरकार को लगता है, इस बिल के बाद जेन-जी का यह आंदोलन समाप्त हो जाएगा। सरकार यहीं पर सबसे बड़ी गलती कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं के बारे में कॉकरोच के रूप में टिप्पणी करना, उनकी डिग्री और बेरोजगारी पर कटाक्ष करना, करोड़ों युवाओं को उद्वेलित कर देगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। पिछले एक दशक में परीक्षा पेपर लीक होने, भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने, ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होने के बाद भी युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। भारत में लगभग 30 करोड़ युवा इन दिनों बेरोजगारी के शिकार हैं। लाखों ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और प्रोफेशनल डिग्री लिए युवक ऑनलाइन डिलीवरी, मोटर साइकिल पर सवारी ढोने और अन्य छोटे-मोटे काम करने के लिए मजबूर हैं, ताकि वह अपना पाकिट खर्च निकाल पाएं। सरकार ने 2 करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार देने का वादा किया था। केंद्र एवं राज्य सरकारों के करोड़ों सरकारी पद खाली हैं, उनमे भर्ती नहीं हो रही है। संविदा में ठेकेदारी प्रथा में युवाओं को जो 15000 की नौकरी मिल रही है।

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।

: होरेस

शुरूआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें।

: वाल्ट डिज्नी

# अविद्या के तिमिर का विदारण करने वाली एक शाश्वत व चिन्मय सत्ता गुरु

सनातन आर्यावर्त की प्रज्ञा परम्परा में गुरु केवल एक देहधारी माध्यम मात्र नहीं है, अपितु वह अविद्या के तिमिर का विदारण करने वाली एक शाश्वत, चिन्मय और संवेगात्मक ऊर्जा है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, जिसे जनमानस में गुरु पूर्णिमा अथवा व्यास पूर्णिमा के रूप में पूजा जाता है, भारतीय मनीषा के आत्म अन्वेषण और ज्ञान मीमांसा की पराकाष्ठा है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यह पर्व मात्र एक रूढ़िवादी अनुष्ठान नहीं है। वरन् यह समूचे ब्रह्मांडीय सत्य, वैदिक ऋत और मानवीय चेतना के ऊर्ध्वगमन का एक प्रामाणिक इतिहास वृत्त है। भारतीय ग्रन्थों में शब्दों के चयन के पीछे गहरा विज्ञान और धातु मूलक सत्य छिपा है। अद्वयतारक उपनिषद श्लोक 16 में गुरु शब्द की जो शास्त्रीय व्युत्पत्ति दी गई है, वह इसके वास्तविक स्वरूप को उद्घाटित करती है-

गुशब्दस्त्वन्धकारः स्यात रुशब्दस्तन्निरोधकः।
अन्धकारनिरोधित्वात गुरुरित्यभिधीयते।।

यहां गु अन्धकार का तात्पर्य केवल प्रकाश का अभाव नहीं है। यह जीव के भीतर स्थित अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश जैसे पंचक्लेशों का द्योतक है।

रु (निरोधक, प्रकाश) इन क्लेशों का समूल उच्छेदन कर चेतना को आत्म साक्षात्कार के परम प्रकाश की ओर अग्रसर करता है, वही गुरु है।

वायु पुराण एवं लिंग पुराण के अनुसार ₹गीर्यते ज्ञानम् अनेन इति गुरुः₹ अर्थात जिसके द्वारा ज्ञान का वमन या वितरण किया जाए, वह गुरु है। भारद्वाज संहिता में गुरु को मन्त्र वीर्य का वाहक माना गया है, जो शिष्य के सुषुप्त चित्त को जाग्रत कर उसे द्विज (दूसरा जन्म, जो ज्ञान से होता है) बनाता है। हमारे भारतीय पूर्वजों ने गुरु पूजन के लिए आषाढ़ पूर्णिमा को ही क्यों चुना? इसके पीछे एक गहरा प्राकृतिक, खगोलीय और मनोवैज्ञानिक कारण है।

आषाढ़ मास सूर्य के दक्षिणायन मार्ग में प्रवेश की पूर्वपीठिका है। इस समय आकाश बादलों से आच्छादित होने लगता है। मेघों के इस घनघोर आवरण में केवल आषाढ़ की पूर्णिमा का चन्द्रमा ही अपनी पूर्ण कलाओं से दीप्त होकर उस तमस को चीरने में समर्थ होता है। शिष्य का जीवन आषाढ़ के बादलों की भांति सांसारिक वासनाओं, चिन्ताओं और मोह से घिरा होता है। गुरु उस मेघाच्छन्न आकाश में पूर्णिमा के चन्द्रमा के समान हैं, जो शिष्यों के चित्त विकारों के बीच भी अपनी ज्ञान-किरणों से शीतलता और प्रकाश प्रदान करते हैं। इसी तिथि से साधु-सन्त, परिव्राजक और संन्यासी एक स्थान पर रुककर चातुर्मास व्रत आरम्भ करते हैं। प्राचीन काल में, भ्रमणशील ऋषि इस समय यात्राएं रोककर शिष्यों को एक स्थान पर गहन वेदान्त, उपनिषद और दर्शन का पाठ कराते थे। अतः यह ज्ञान के संचयन और स्वाध्याय की ऋतु है।

आषाढ़ पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है क्योंकि इसी तिथि को परम तपस्वी महर्षि पराशर और माता सत्यवती के संसर्ग से महर्षि कृष्णद्वैपायन का प्राकट्य यमुना के एक द्वीप (द्वैप) पर हुआ था। सांवले वर्ण और द्वीप पर जन्म लेने के कारण वे कृष्णद्वैपायन कहलाए।

व्यासाय विष्णु रूपाय व्यासरूपाय विष्णवे।
नमो वै ब्रह्मनिधये वासिष्ठाय नमो नमः।।

व्यास का शाब्दिक अर्थ है विस्तार करना या विभाजित करना। इनसे पूर्व वेद एक अखण्ड संहिता के रूप में थे, जिसे समझना सामान्य मानव की बुद्धि से परे था। व्यास जी ने अपनी दिव्य दृष्टि से मानव जाति की घटती मेधा को भाँप लिया। उन्होंने उस एक वेद को चार भागों में विभक्त किया-

ऋग्वेद- पद्यमय मन्त्रों का संग्रह (होता यज्ञीय कृत्यों के लिए)।

यजुर्वेद- गद्यात्मक यज्ञ-विधियों का संकलन (अध्वर्यु के लिए)।

सामवेद- गेय ऋचाओं का संगीतमय रूप (उद्गाता के लिए)।

अथर्ववेद- लौकिक, भेषज और आध्यात्मिक मन्त्रों का संग्रह (ब्रह्मा के लिए)।

वेदों के इस वैज्ञानिक सम्पादन के कारण ही उन्हें वेदव्यास की उपाधि प्राप्त हुई। उन्होंने अपने चार परम शिष्यों-पैला, वैशम्पायन, जैमिनि और सुमन्तु को क्रमशः इन चारों वेदों का ज्ञान देकर संसार में श्रुति-परम्परा को अक्षुण्ण रखा।

महाभारत के आदिपर्व में उल्लेख है कि वेदों का विस्तार करने के बाद भी जब लोक कल्याण की पिपासा शान्त नहीं हुई, तब उन्होंने पंचम वेद के रूप में महाभारत महाकाव्य की रचना की। इसके अतिरिक्त 18 पुराणों और उपपुराणों का संकलन कर उन्होंने अमूर्त दार्शनिक सत्यों को कथाओं के माध्यम से जन-सुलभ बनाया।

वैसे तो वैदिक विद्वान वेदान्त दर्शन का मूलाधार ब्रह्मसूत्र को वादरायण वेदव्यास की रचना मानते हैं, लेकिन कतिपय विद्वानों के अनुसार ब्रह्मसूत्र (उत्तर मीमांसा) महर्षि व्यास की तार्किक परिपक्वता का चरम बिन्दु है। इसमें अथातो ब्रह्मजिज्ञासा और जन्माद्यस्य यतः जैसे सूत्रों के माध्यम से उन्होंने अद्वैत तत्त्व को अकाट्य तर्कों से सिद्ध किया।

भारतीय ग्रन्थों का अनुशीलन करने पर हमें गुरु और शिष्य के सम्बन्धों के कई स्तर दिखाई देते हैं। उपनिषदों का तो नाम ही उप + नि + सद् (समीप निष्ठापूर्वक बैठना) है, जो गुरु के चरणों में बैठकर अर्जित किए जाने वाले रहस्य-ज्ञान को दशार्ता है। ऋग्वेद 7/103/5 के मण्डूक सूक्त में गुरु-शिष्य के सस्वर वेपाठ की तुलना वर्षा ऋतु में मेघों के गर्जन के बाद बोलने वाले मण्डूकों से की गई है। यह तुलना उपहासात्मक नहीं, बल्कि शिक्षा की उस अनवरत ध्वनि परम्परा की प्रामाणिकता को दशार्ती है, जहां शिष्य अपने गुरु के प्रत्येक स्वर, उदात्त, अनुदात्त और स्वरित का हूबहू अनुकरण करता था।

उपनिषदों में गुरु कोई अधिनायकवादी सत्ता नहीं है, बल्कि वह सत्य का सह यात्री है।

कठोपनिषद में यमराज गुरु हैं और नचिकेता शिष्य। नचिकेता के तीन वरदानों के माध्यम से अन्तरिक्ष और आत्म तत्त्व का जो उद्घाटन हुआ, वह गुरु-शिष्य परम्परा की अमर धरोहर है।

प्रश्नोपनिषद में छह ऋषि (शौर्यायणी, भार्गव, आश्वलायन आदि) महर्षि पिप्पलाद के पास समिधा हाथ में लेकर जाते हैं। पिप्पलाद उन्हें सीधे उत्तर नहीं देते, बल्कि एक वर्ष तक तप, ब्रह्मचर्य और श्रद्धा के साथ रहने को कहते हैं। यह दशार्ता है कि ज्ञान प्राप्ति के लिए पात्रता अनिवार्य है। बृहदारण्यक उपनिषद का महर्षि याज्ञवल्क्य और उनकी विदुषी पत्नी मैत्रेयी का संवाद। जब मैत्रेयी कहती है-

येनाहं नामृता स्यां किम अहं तेन कुर्याम्।

अर्थात- जिससे मैं अमर न हो सकूँ, उस धन का मैं क्या करूं?, तब याज्ञवल्क्य उसे आत्मज्ञान देते हैं।वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड में महर्षि वसिष्ठ जहां श्रीराम को सात्त्विक मयार्दा और आत्मज्ञान (योगवासिष्ठ के रूप में) देते हैं, वहीं महर्षि विश्वामित्र उन्हें अस्त्र-शस्त्र का संधान सिखाकर लोक-रक्षक बनाते हैं।

महाभारत में सांदीपनि आश्रम में भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण भी एक सामान्य शिष्य की भांति 64 दिनों में 64 कलाओं का अर्जन करते हैं। यह गुरु सत्ता के प्रति ईश्वर के नतमस्तक होने का अनुपम उदाहरण है।

महाभारत काल में गुरु-शिष्य सम्बन्धों में सामाजिक और नीतिगत जटिलताएं भी देखने को मिलती हैं। एकलव्य का गुरु दक्षिणा में अंगूठा देना, निष्ठा की पराकाष्ठा है, तो वहीं कर्ण का झूठ बोलकर ज्ञान लेना और परशुराम द्वारा शाप पाना, ज्ञान के प्रति ईमानदारी की अनिवार्यता को रेखांकित करता है।

देवी भागवत पुराण और कुलार्णव तन्त्र में कार्य, योग्यता और दीक्षा के आधार पर गुरुओं का सूक्ष्म वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया गया है-

सूचक गुरु- जो लौकिक अक्षरों, व्याकरण और बाह्य विधाओं का बोध कराए (जैसे प्राथमिक शिक्षक)।

वाचक गुरु- जो धर्म, नीति और सदाचार के नियमों का निरूपण करे।

बोधक गुरु- जो वेदान्त के महावाक्यों (जैसे तत्त्वमसि) का बोध कराकर बुद्धि को अन्तर्मुखी करे।

निषिद्ध गुरु- जो मारण, मोहन, उच्चाटन जैसी निकृष्ट विधाओं को सिखाए (जिसका त्याग वर्जित माना गया है)।

विहित (परम) गुरु- जो संसार सागर से पार उतारने की सामर्थ्य रखता हो, जिसे 'सद्गुरु' कहा जाता है।

आधुनिक भौतिकवादी और बुद्धिवादी विचारक प्रायः यह प्रश्न उठाते हैं कि क्या ज्ञान प्राप्ति के लिए किसी मध्यस्थ (गुरु) की आवश्यकता अनिवार्य है? क्या मनुष्य स्व अध्ययन से मुक्त नहीं हो सकता? वैदिक मतानुसार मनुष्य की बुद्धि इन्द्रियों और संस्कारों से बद्ध है। हम जो कुछ भी स्वयं सोचते हैं, वह हमारे पूर्व अनुभवों का ही पुनरुत्पादन होता है। गुरु कोई बाहरी वस्तु नहीं थोपता, वह केवल शिष्य के भीतर की अविद्या के आवरण को हटाता है। श्रीमद्भगवद्गीता 4/34 में योगेश्वर श्रीकृष्ण इस संशय का निवारण करते हैं-

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः।।

यहां तीन चरण बताए गए हैं जो अन्धविश्वास को नकारते हैं-

प्रणिपात -अहंकार का विसर्जन। जब तक घट (घड़ा) झुकेगा नहीं, तब तक उसमें कूप से जल नहीं भरा जा सकता।

परिप्रश्न -कुतर्क नहीं, बल्कि सत्य को जानने के लिए किया गया तार्किक प्रश्न। भारतीय परम्परा अन्ध-अनुकरण की अनुमति नहीं देती। गुरु से प्रश्न करने की स्वतन्त्रता ही सनातन धर्म की विशेषता है।

सेवा -गुरु के प्रति कृतज्ञता का भाव।

आज के सूचना विस्फोट के युग में, जहां गूगल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पास हर तथ्य का उत्तर है, वहां व्यास पूर्णिमा का महत्त्व और अधिक प्रासंगिक हो गया है। इण्टरनेट हमें सूचना दे सकता है, विवेक नहीं। सूचनाएं बुद्धि को भारयुक्त बनाती हैं, जबकि गुरु का ज्ञान चेतना को भारमुक्त (शान्त) करता है। आज का समाज अवसाद, एकाकीपन और दिशाहीनता से ग्रस्त है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि जीवन का अन्तिम लक्ष्य केवल अर्थ और काम नहीं है, बल्कि धर्म और मोक्ष भी है। प्राचीन गुरु-शिष्य परम्परा अरण्यों (जंगलों) में विकसित हुई थी। वहां प्रकृति के साथ तादात्म्य सिखाया जाता था। गुरु पूर्णिमा प्रकृति, गुरु और ईश्वर के त्रिकोणीय सम्बन्ध को सुदृढ़ करने का उत्सव है।

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा केवल अतीत के ऋषियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिन नहीं है, बल्कि यह स्वयं के भीतर छिपे व्यासत्व को जाग्रत करने का क्षण है। महर्षि वेदव्यास ने महाभारत के अन्त में कहा था-

ऊर्ध्वबाहुर्विरौम्येष न च कश्चित्शृणोति मे।

अर्थात- मैं हाथ उठाकर चिल्ला रहा हूं कि धर्म से ही अर्थ और काम सिद्ध होते हैं, फिर भी कोई मेरी बात नहीं सुनता।

आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रत्येक राष्ट्रभक्त और ज्ञान पिपासु साधक का यह दायित्व है कि वह सनातन ज्ञान के इस संवाहक सूत्र को अक्षुण्ण रखे। शब्द, अर्थ और चेतना के समन्वय से ही वैश्विक अशान्ति का शमन सम्भव है। भारत का विश्वगुरु होना राजनीतिक सत्ता से नहीं, बल्कि इसी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रज्ञा परम्परा से प्रतिपादित होगा।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## सूडोकु नवताल- 7587

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 4 | | 6 | | | |
| | | | | | 2 | 7 | | |
| | 6 | 8 | | | | 9 | | |
| 5 | 3 | | | | | | | 6 |
| | | | | 6 | | | | |
| 7 | | | | | | | 9 | 2 |
| | | 9 | | | | 8 | 5 | |
| | | 2 | 1 | | | | | |
| | | | 3 | | 4 | | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7586 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 7 | 1 | 3 | 6 | 4 | 8 | 5 |
| 3 | 1 | 6 | 5 | 8 | 4 | 2 | 9 | 7 |
| 5 | 4 | 8 | 7 | 9 | 2 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 1 | 4 | 7 | 3 | 8 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 2 | 4 |
| 4 | 6 | 5 | 9 | 2 | 8 | 1 | 7 | 3 |
| 1 | 7 | 4 | 2 | 5 | 9 | 3 | 6 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 8 | 4 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 8 | 5 | 9 | 3 | 6 | 1 | 7 | 4 | 2 |

## दैनिक पंचांग

**29 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | कर्क में |
| चंद्र | मकर में |
| मंगल | वृष में |
| बुध | मिथुन में |
| गुरु | कर्क में |
| शुक्र | सिंह में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

**राहुकाल** 12.00 से 1.30 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| सिंह | 06.56 बजे से |
| कन्या | 09.08 बजे से |
| तुला | 11.18 बजे से |
| वृश्चिक | 13.33 ब.से |
| धनु | 15.49 बजे से |
| मकर | 17.54 बजे से |
| कुंभ | 19.41 बजे से |
| मीन | 21.14 बजे से |
| मेष | 22.44 बजे से |
| वृष | 00.24 बजे से |
| मिथुन | 02.22 बजे से |
| कर्क | 04.36 बजे से |

**बुधवार** 2026 वर्ष का 210 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** पूर्णिमा 20.06 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 15.37 बजे को समाप्त।
**योग** प्रीति 23.58 बजे को समाप्त।
**करण** विष्टि 07.15 बजे तदनन्तर बव 20.06 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 14.6 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 47'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872785
**जूलियन दिन** 2461250.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** सफर **तारीख** 14
**विशेष** व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# टाइगर स्टेट एमपी में लगातार बढ़ता जा रहा है बाघों का कुनबा

मध्यप्रदेश को भी प्रकृति ने न केवल मुक्त हस्त से संवारा है बल्कि नैसर्गिक सौंदर्य और हरियाली से आच्छादित किया है, वहीं प्रदेश सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर इसे वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों के चलते आज मध्यप्रदेश देश और दुनिया में अग्रणी प्रदेश बना है। मध्यप्रदेश को भारत का ह्यटाइगर स्टेटह्न कहा जाता है और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में देश के हृदयप्रदेश मध्यप्रदेश की प्रतिबद्धताओं के चलते यह खिताब आज पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। यह गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश के जंगलों में टाइगर की दहाड़ लगातार गूंज रही है। वर्ष 2022 में हुई बाघों की गणना के अनुसार प्रदेश में 785 बाघ थे, जो देश में सबसे अधिक हैं। अब वन्य अधिकारी और विशेषज्ञ यह अनुमान लगा रहे हैं कि यह संख्या एक हजार के पार पहुँच चुकी है जो बाघों के संरक्षण और संवर्धन कि दिशा में एक बड़ी सफलता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की जातियों की घटती संख्या, उनके अस्तित्व और संरक्षण संबंधी चुनौतियों के प्रति जन-जागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाए जाने का निर्णय वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले देशों ने वादा किया था कि बहुत जल्द वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने तेजी से काम किया और प्रबंधन में निरंतरता दिखाते हुए पूरे देश में वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति करने में सफलता पाई है। मध्यप्रदेश में 2022 में हुई पिछली गणना के अनुसार 785 बाघ हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके बाद 563 बाघों के साथ कर्नाटक दूसरे और 560 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर पर है। 2010 में मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या मात्र 257 थी। 2014 में यह 308, 2018 में 526 और 2022 में 785 हो गई। 2014 से 2022 के बीच लगभग 155 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। भारत में कुल बाघों की संख्या 2022 में 3,682 आँकी गई थी, जिसमें मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा योगदान रहा। अभी 2026 की नई गणना चल रही है। इस बार प्रदेश में पहली बार कुछ नए टाइगर रिजर्व भी शामिल किए गए हैं जिसके बाद से यहाँ पर बाघों की संख्या बढ़ाने का सहज ही अनुमान लगाया जा रहा है।यह बढ़ोतरी संयोग नहीं, बल्कि वन्य जीव संरक्षण की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों से दो सौ से अधिक गाँवों का पुनर्वास किया गया। इससे बाघों को बिना मानव हस्तक्षेप के घूमने और शिकार करने का बड़ा क्षेत्र मिला। पुराने खेत घास के मैदान बन जाने से जंगलों में शिकार की उपलब्धता बढ़ी।पिछले वर्षों में वन विभाग ने सैकड़ों शिकारियों को भी पकड़ा। कैमरा ट्रैप, डीएनए तकनीक और आधुनिक निगरानी व्यवस्था सरीखी अत्याधुनिक तकनीकों ने बाघों की गणना और सुरक्षा दोनों को मजबूत करने का काम किया है। बाघ की दहाड़ अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाहर भी सुनाई दे रही है। राजधानी भोपाल के शहरी इलाकों में भी बाघों की आवाजाही अब देखी जा सकती है। बाघों को मध्यप्रदेश की आबोहवा इस कदर रास आ रही है कि आने वाले दिनों में इनकी टेरिटरी बढ़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व 1973 में कान्हा टाइगर बना। मध्यप्रदेश में 9 टाइगर रिजर्व हैं, जिसमें कान्हा किसली, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना बुंदेलखंड, सतपुड़ा नर्मदापुरम, संजय दुबरी सीधी, नौरादेही, माधव नेशनल पार्क और डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व (रातापानी) शामिल हैं। मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सबसे अधिक बाघ हैं। यह रिजर्व मध्यप्रदेश का सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व है। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान उमरिया जिले में स्थित पार्क है जो देश में सर्वाधिक बाघ घनत्व के लिए प्रसिद्ध है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एक ऐसी जगह है, जहां बाघों की भरमार है और आसानी से पर्यटक इनका दीदार कर सकते हैं। यही वजह है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटक काफी तादात में आते हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या को लेकर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नए-नए कीर्तिमान बनाता जा रहा है।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और पहला राष्ट्रीय उद्यान है जो मंडला और बालाघाट जिलों में फैला है। माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी जिले में स्थित है। पेंच राष्ट्रीय उद्यान सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में स्थित है जो रुडयार्ड किपलिंग की जंगल बुककी प्रेरणा बना। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान पन्ना और छतरपुर जिलों में फैला हुआ बाघ आरक्षित क्षेत्र है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान नर्मदापुरम जिले में स्थित घने जंगलों वाला क्षेत्र है। संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यान सीधी और सिंगरौली जिलों में स्थित है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर जिले में स्थित है जो वर्तमान में अफ्रीका से लाए गए चीतों के पुनर्वास के कारण पूरी दुनिया में चचाओं के केन्द्र में है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 24 अभयारण्य हैं। अभयारण्य के रूप में पचमढ़ी, पनपथा, बोरी, पेंच-मोगली, गंगऊ, संजय- दुबरी, बगदरा, सैलाना, गांधी सागर, करेरा, नौरादेही, राष्ट्रीय चम्बल, केन, नरसिहगढ़, रातापानी, सिंघोरी, सिवनी, सरदारपुर, रालामण्डल, केन घड़ियाल, सोन चिड़िया अभयारण्य घाटीगांव, सोन घड़ियाल अभयारण्य, ओरछा और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य अपनी विशिष्ट पहचान के लिए देश में जाने जाते हैं। भारत में सबसे अधिक राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश में ही स्थित हैं, जिसके कारण इसे वन्य जीव पर्यटन का प्रमुख केन्द्र और टाइगर स्टेट भी कहा जाता है।

यह सुखद है कि अब मध्यप्रदेश के भीतर बाघों की संख्या टाइगर रिजर्व की सीमाओं के बाहर भी तेजी से बढ़ रही है और बाघों की हलचल शहरी इलाकों की इंसानी आबादी के बीच भी महसूस की जा रही है। सतना से लेकर सीधी, शहडोल से अमरकंटक ,डिंडौरी के लेकर मंडला तक में भी बाघों का कुनबा नई चहलकदमी कर रहा है।

हर्षवर्धन पान्डे

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# छात्रों से संवाद की ओर बढ़ते कदम

संदर्भ धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र -

देश के प्रधानमत्री ने देश की अंदरूनी शान्ति के लिए या आगे किसी बड़े लक्ष्य को साधने के लिए ऐसी फॉरेन फंडेड, फॉरेन लेंग्वेज्ड, फॉरेन फीडेड, फॉरेन माइंडेड और निर्लज्ज शक्तियों के आगे समर्पण कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए और समय की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उनका यह कदम बड़प्पन से परिपूर्ण कदम तो है किंतु, दीर्घकालिक दृष्टि से है तो यह गलत ही। इसके परिणामों के प्रति देश को अभी से सचेत होना होगा।

छात्रशक्ति की बात रही तो सर संघचालक जी मोहन भागवत जी ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। देश किशोरों, युवाओं, विद्यार्थियों से संवाद की यह प्रक्रिया अब बढ़ेगी भी और निश्चित ही सकारात्मक परिणाम भी देगी।

नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि कानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ-लक्षण है।

यह भी सही है कि धर्मेन्द्र प्रधान जी का त्यागपत्र कराना ही था तो वऋछ के समय ही करा लेना था। वह सही समय था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का यह समय ठीक नहीं है।

आद. प्रधानमंत्री जी ने धर्मेंद्र जी प्रधान से त्यागपत्र लेकर किसी शेर की भांति एक कदम पीछे लिया है तो किसी दीर्घकालिक एजेंडे की रक्षा और पूर्ति के लिए ही किया होगा। निश्चित ही उन्होंने संघशक्ति की प्रेरणा से यह कदम राष्ट्रहित में ही उठाया होगा।

इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ बिखरे पड़े इस आंदोलन के सैकड़ों वीडियो देखिए, फिर सोचिए। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे-बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिए और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं, क्या वे विद्यार्थी हैं? और यदि हैं भी तो क्या ऐसे विद्यार्थियों के दबाव में देश की सत्ता को आना चाहिए? मोदी जी हों या कोई किसी अन्य दल के कोई और प्रधानमंत्री हों, उसके विषय में ऐसी भाषा बोलकर जनता को भड़काना क्या उचित है? विशेषतः इन कथित छात्राओं को देखकर बताएँ आप।

ये भी कहता हूँ कि, हैं तो ये हमारी देशज संतान ही, किंतु हमारे बच्चों को किसने इतना भड़काया और बहकाया है? कौन है जो हमारी इस मासूम छात्रशक्ति की लज्जा-लिहाज पर डाका डाल गया है? इनके सारे संस्कार अपहृत हो गए और हमें पता भी न चला। जॉर्ज सोरोस की सोच से बढ़ा ये आंदोलन है या अश्लीलता और देश विभाजन के दुष्कृत्य का नंगा नाच है?

नरेंद्र मोदी जी का ये सरेंडर, आरएसएस और इसके प्रचारक मोदी के लिए कुछ भी चिंताजनक नहीं है।

ये महाशय मोदी और ये संघ, अपना झोला उठाकर कहीं भी, कभी भी चल पड़ेंगे। सोचना तो हमें है कि हम और कोई और ऐसा प्रधानमंत्री और ऐसी संघशक्ति कहाँ से लायेंगे जो हमें बारह वर्षों तक तमाम दुर्लक्ष्यों जैसे अद्वितीय आर्थिक विकास, गगन-पाताल को भेदने वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर, मंगल मिशन, चंद्रमा मिशन, राममंदिर, अनुच्छेद 370, कश्मीर में शांति, असम-बंगाल के रास्ते बांग्लादेशी घुसपैठियों पर रोक, विदेशों में हमारा बड़ा सा बार्गेनिंग पॉवर, पाकिस्तान में भीतर तक घुसकर एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर आदि को साधकर भी दंगामुक्त शासन दे पायेगी? संघ परिवार के अतिरिक्त कोई भी पार्टी इनमें से एक भी काम करती तो देश भर में दंगे होते। खून की नदियाँ बहती। ऐतिहासिक मारकाट होती। कदाचित (शायद) गृहयुद्ध भी हो जाता। शाहीन बाग से लेकर ये जंतर-मंतर तक, ये सब भारत में गृहयुद्ध भड़काने की तैयारी ही तो है।

याद है न? इन्हीं लोगो के शब्द हैं - ह्लधारा 370 को छू कर देख लो, खून की नदियाँ बह जाएँगीह्व और ये पाकिस्तानी भाषा भी याद होगी आपको - ह्लपंद्रह मिनिट के लिए देश की फौज और पुलिस को रोक लेना हम इस देश में तख़्ता पलट देंगेह्व और यह भी कि ह्लमंदिर.. तारीख नहीं बताएँगेह्व। ये सब इस संघशक्ति ने किया भी और खून की नदियाँ तो छोड़िए साहब; इन्होंने देश में परिंदे को पर भी न मारने दिए हैं।

संघशक्ति से मोदी ने स्वयं को परिश्रमपूर्वक सिद्ध किया है, इस देश की जनता के समक्ष। 75 की आयु में अट्ठारह घंटे काम कर रहा ये बिना भगवे का सन्यासी हमारी अंतर्राष्ट्रीय पूंजी है। इन्होंने इस देश से बाबर और औरंगजेब का नाम मिटाया है और अरब में जाकर मदिरों के शिलान्यास से लेकर प्राणप्रतिष्ठा तक के दसियों आयोजन करवा दिए हैं। अरेबियन मुस्लिम योग-ध्यान के पीछे पागल हुए हैं तो इसी भारत सरकार की कलाकारी से ही हुए हैं। ये आंदोलन धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में या फूलफ्रूफ नीट परीक्षाओं के लिए नहीं था। यदि होता तो परीक्षाओं पर विश्व का सर्वाधिक सटीक और प्रभावी कानून आने के बाद ये आंदोलनकारी शांति से अलग हो जाते। ये आंदोलन उस संघ शक्ति के विरोध में है जो इस देश को कॉमन सिविल कोड की देने की तैयारी में लगी है, जो हमें नागरिकता रजिस्टर जैसा बड़ा कवच (सिस्टम) देनें की तैयारी कर रही है, जो हमें कभी न कभी हमारा मुकुटमणि पाक आकूपाइड कश्मीर भी वापिस दिलवाने वाली है।

डॉ. प्रवीण दाताराम

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त समाचार

### वेनेजुएला भूकंप: धरती 2 फीट सरकी, निसार ने दिखाए सबूत

**वाशिंगटन।** जून में वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों ने, जिन्होंने हजारों जानें लीं और इमारतों को तबाह किया, धरती की सतह को भी स्थायी रूप से बदल दिया है। नासा और इसरो के संयुक्त निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन ने खुलासा किया है कि इन शक्तिशाली झटकों के बाद कुछ इलाकों में जमीन करीब 60 सेंटीमीटर (करीब 2 फीट) तक अपनी जगह से खिसक गई। यह पहली बार है जब निसार ने किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा में अपने अर्जेंट रिस्पॉन्स ऑब्जर्वेशन सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए तत्काल विस्तृत रडार डेटा जुटाया। उत्तरी वेनेजुएला में 24 जून को पहले 7.2 और फिर महज 39 सेकंड बाद 7.5 तीव्रता के दो झटकों ने भयानक तबाही मचाई थी, जिसमें 5,000 से अधिक लोगों की मौत हुई और 16,700 से ज्यादा घायल हुए। भूकंप के तुरंत बाद, निसार सैटेलाइट ने प्रभावित इलाके की रडार इमेजिंग शुरू की। वैज्ञानिकों ने भूकंप से पहले और बाद में ली गई तस्वीरों की तुलना करने के लिए इनसार (इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक एपर्चर रडार) टेक्नोलॉजी का उपयोग किया, जो धरती की सतह में मिलीमीटर स्तर पर होने वाले बदलाव को भी मापने में सक्षम है। आंकड़ों से पता चला कि यह भूकंप स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट के कारण आया था, जहाँ कैरिबियन और दक्षिण अमेरिकी टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे के ऊपर या नीचे जाने की बजाय समानांतर विपरीत दिशा में फिसल गईं। सबसे ज्यादा बदलाव राजधानी कराकास के उत्तर में स्थित एक एयरपोर्ट के पास दर्ज किया गया, जहाँ जमीन करीब 60 सेंटीमीटर तक विस्थापित हुई। निसार से मिले ये महत्वपूर्ण आंकड़े अब अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों के लिए भविष्य के आफ्टरशॉक्स या नए भूकंपों के खतरे का आकलन करने और फॉल्ट लाइनों में बचे तनाव को समझने में बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं।

### नेपाल : सुनसरी घटना के विरोध में दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन, राजमार्ग बाधित, कई इलाकों में कर्फ्यू बरकरार

**काठमांडू।** नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई घटना के विरोध में उतरे समूह ने मंगलवार को भी पूर्व-पश्चिम राजमार्ग को बाधित रखा। प्रदर्शनकारियों ने सुनसरी खंड में विभिन्न स्थानों पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विराटनगर में भी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बाजार क्षेत्र में इकट्ठा हुए युवाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के प्रवक्ता डीएसपी चंद्रबहादुर खड़का के अनुसार राजमार्ग के पकली से लेकर कोशी बैराज क्षेत्र में जगह-जगह सड़क बाधित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रमुख चौराहों पर लोग जमा होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने इटहरी से पश्चिम जाने वाले वाहनों को रोक दिया है। हालांकि, देवानगंज में अब स्थिति सामान्य हो रही है। कप्तानगंज में रविवार को दो समूहों के बीच हुई झड़प को नियंत्रित करने के लिए की गई पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि २१ लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद स्थिति को काबू में करने के लिए स्थानीय प्रशासन ने दक्षिणी क्षेत्र के पांच स्थानों पर कर्फ्यू लगाया था। इसके बावजूद कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए सोमवार को दिनभर प्रदर्शन जारी रहा। मंगलवार को भी कर्फ्यू लागू है। प्रमुख जिला अधिकारी ईश्वरीप्रसाद अर्याल के अनुसार मंगलवार सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक देवानगंज गांवपालिका और हरिनगर गांवपालिका के संपूर्ण क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई है। हरिनगरा, भुटाहा, कप्तानगंज, घुस्की और देवानगंज बाजार क्षेत्र में कर्फ्यू जारी है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि कर्फ्यू लागू वाले क्षेत्रों में शांति-सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली कोई भी सभा, जुलूस, प्रदर्शन या अन्य गतिविधियों को न करें।

### फर्जी कॉल सेंटर मामले में ईडी ने मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार, करोड़ों की साइबर ठगी का आरोप

**हैदराबाद।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी और धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में मुख्य आरोपित विकास कुमार निमार उर्फ मिस्टी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि निमार देश के विभिन्न शहरों से संचालित एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का मास्टरमाइंड था, जो खुद को तकनीकी सहायता (टेक्निकल सपोर्ट) कर्मी बताकर अमेरिकी नागरिकों को अपने जाल में फंसाता था। ईडी के अनुसार, आरोपित को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एजेंसी अब मामले में शामिल अन्य आरोपितों, वित्तीय लेनदेन और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है। जांच एजेंसी के मुताबिक, विकास कुमार निमार ने हैदराबाद में एक फर्जी कॉल सेंटर स्थापित किया था। यहां से प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को फोन किए जाते थे और खुद को प्रतिष्ठित तकनीकी कंपनियों का कर्मचारी बताकर उनसे संपर्क किया जाता था। इसके बाद कंप्यूटर या अन्य डिजिटल उपकरणों में तकनीकी खराबी, वायरस संक्रमण अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या का झांसा देकर लोगों से संपर्क स्थापित किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि कथित तौर पर पीड़ितों को डराकर या भ्रमित कर उनसे बड़ी रकम वसूली जाती थी। ईडी ने वर्ष 2023 में मधापुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। जांच के दौरान एजेंसी ने संदिग्ध बैंक खातों, विदेशी फंड ट्रांसफर और वित्तीय लेनदेन का विश्लेषण किया। प्रारंभिक जांच में ऐसे साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि गिरोह ने अमेरिकी नागरिकों को धमकाकर और धोखाधड़ी के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र किए तथा इस धन को विभिन्न माध्यमों से वैध दिखाने का प्रयास किया। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि विकास कुमार निमार हैदराबाद, विशाखापत्तनम, लखनऊ समेत देश के कई शहरों में साइबर कॉल सेंटर संचालित करता था। एजेंसी का आरोप है कि उसने 'वीसी सॉल्यूशंस' नाम से कई कॉल सेंटर स्थापित किए थे। इन संस्थानों के बैंक खातों की जांच में बड़ी मात्रा में नकद जमा होने और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों के प्रमाण मिले हैं। एजेंसी अब इन खातों से जुड़े लेनदेन और लाभार्थियों की भी पड़ताल कर रही है।

### संत रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में समरसता यात्राएं निकालेगी विहिप

**लखनऊ।** संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) देशभर में विभाग स्तर पर समरसता यात्राएं निकालेगी। विहिप के केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय सामाजिक समरसता प्रमुख देवजी भाई रावत ने कहा कि संत रविदास का सामाजिक समरसता, समानता और आध्यात्मिकता का संदेश आज भी समाज के लिए उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। देवजी भाई रावत ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि विहिप देशभर में समरसता यात्राओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी, ताकि संत रविदास के विचारों और उनके सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि समरसता यात्राओं की तिथि प्रत्येक प्रान्त अपनी सुविधानुसार तय करेगा। अवध प्रान्त में 27 सितम्बर से 04 अक्टूबर के मध्य समरसता यात्रा निकाली जायेगी। उन्होंने कहा कि रविदास जी के जन्मस्थान से समाधिस्थान तक जहां-जहां उनसे जुड़े स्थान व मंदिर हैं वहां से समरसता यात्राएं निकाली जाएंगी। संतों की पदयात्राएं होंगी। प्रखण्डस्तर पर समरसता सहभोज के आयोजन होंगे। इसके अलावा इस साल विहित का 22 नवंबर से 13 दिसंबर तक सदस्यता अभियान भी चलेगा। इस बार संगठन ने दो करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। वहीं विहिप अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष भी मनाएगी। इस दौरान गौ सम्मेलन, किसान सम्मेलन, वेद विद्यालय एकत्रीकरण, समरसता गोष्ठियां, सद्भावना बैठकें तथा अर्चक-पुरोहित एवं सर्वजाति पुरोहित प्रशिक्षण वर्ग सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विहिप संत रविदास जयंती के साथ-साथ अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी के कार्यक्रम भी साथ-साथ करेगी। अशोक सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को हुआ था। उनका निधन 17 नवंबर 2015 को हुआ।

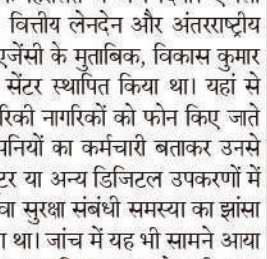

# राज्य के सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 2, 480 करोड़ स्वीकृत

**एजेंसी, भोपाल**

- **भोपाल में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी के आयोजन के लिए 18.74 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति**

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के सर्वांगीण विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याण को गति देने के लिए लगभग 2 हजार 480 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। बैठक में खेल गतिविधियों, सिंचाई, महिला सशक्तीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और किसान कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णयों में अक्टूबर 2026 में भोपाल में 'महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी' के भव्य आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई, जिससे राज्य की खेल अवसंरचना और पर्यटन को वैश्विक पहचान मिलेगी। कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रिहन्द एवं मल्हारगढ़ सिंचाई परियोजनाओं और किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान योजना की निरंतरता को मंजूरी मिली।

उन्होंने बताया कि प्रदेश को तकनीकी रूप से अग्रणी बनाने के उद्देश्य से आईआईएसईआर भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और आईटी पार्कों के विकास के लिए 857 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इन निर्णय में आई टी पार्क की स्थापना के वर्ष 2031 तक संचालन की निरंतरता की स्वीकृति महत्वपूर्ण है, इसके तहत करीब 8000 युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए 198 करोड़ रुपये, कर्मचारी कल्याण एवं पेंशन योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपये और ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा के निरीक्षकालय के नवीन वृत्त कार्यालय और नारायणगढ़ में 9 नए न्यायिक पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

**अक्टूबर में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 का आयोजनः** मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि अक्टूबर 2026 में भोपाल के बरखेड़ा नाथू में स्थित अन्तरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 का आयोजन होगा। मंत्री-परिषद ने इसके लिए संभावित व्यय राशि 18 करोड़ 74 लाख रुपये के व्यय की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि हॉकी इण्डिया को अन्तरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा देश में हॉकी खेल का संचालन, प्रोत्साहन और अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अधिकृत किया गया है। प्रतियोगिता वर्ष 2010 से निरन्तर दो वर्ष के अन्तराल में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य एशियाई महिला हॉकी टीमों की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है। महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 में एशिया की प्रमुख 6 महिला टीमों (भारत, चीन, जापान, मलेशिया, साउथ कोरिया, एवं थाईलैण्ड) के लगभग 200 खिलाडी व सपोर्ट स्टॉफ के सम्मिलित होने की संभावना है। यह अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हॉकी इण्डिया और खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी। अनुबंध अनुसार हॉकी इण्डिया को खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 'पेजेंटिंग पार्टनर' राईटस के लिए 11 करोड़ रूपये दिये जाएंगे। अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभाग दवारा 7 करोड़ 74 लाख रुपये का व्यय किया जायेगा। इस प्रकार आयोजन पर लगभग 18 करोड़ 74 लाख रुपये का व्यय होना संभावित है। भोपाल के बरखेड़ा नाथू में अन्तरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को नवीन एवं आधुनिक तकनीकों के अनुरूप अन्तरराष्ट्रीय स्तर की प्रमुख प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयार किया गया है।

### भारत में अवैध रूप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सॉन्ग जियाओमी को गिरफ्तार किया है। उसकी उम्र करीब 38 वर्ष है। उन्होंने बताया कि यह ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक वर्ष के लिए 26 जून वर्ष 2019 से 25 जून वर्ष 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। वीजा की अवधि खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उसने धोखाधड़ी करके वीजा एक्सपायर होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया, तथा वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली।

### दिल्ली में 'सराय काले खां लूप' पर जाम से मुक्ति दिलाने को एनएचएआई ने शुरू किया काम

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली-एनसीआर में यातायात को सुगम बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एनएच-148एनए के डीएनडी-सोहना खंड पर स्थित सराय काले खां लूप को भीड़भाड़ मुक्त करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार सराय काले खां दिल्ली के सबसे व्यस्त परिवहन केंद्रों में से एक है। यह लूप आश्रम, नोएडा और सराय काले खां से आने वाले ट्रैफिक के लिए एक प्रमुख मिलन बिंदु है। डीएनडी-सोहना राष्ट्रीय राजमार्ग कॉरिडोर के चालू होने के बाद यहां वाहनों का दबाव और बढ़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए एनएचएआई प्राथमिकता के आधार पर इसका दीर्घकालिक इंजीनियरिंग समाधान तलाशेगा। डीपीआर में जंक्शन की क्षमता बढ़ाने, सुरक्षा उपाय पुख्ता करने और यात्रा के समय में कटौती करने के लिए अवसंरचनात्मक बदलावों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डीएनडी-सोहना कॉरिडोर शुरू होने पर सराय काले खां इंटरचेंज पर यातायात बिना किसी बाधा के निकल सके। इसके अलावा, बढ़ते यातायात प्रबंधन और इंजीनियरिंग समाधानों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा। एनएचएआई के मुताबिक इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना, सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यात्रा अनुभव को सुखद बनाना और भारी ट्रैफिक का स्थायी समाधान प्रदान करना है।

# ट्विशा मौत मामले में आरोपित गिरिबाला और समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ी

**एजेंसी, नई दिल्ली**

- **वीसी के माध्यम से हुई पेशी, अदालत ने सीबीआई की अर्जी की स्वीकार**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार को दोनों मुख्य आरोपितों सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। बचाव पक्ष द्वारा वॉइस सैंपल प्रक्रिया और रिमांड बढ़ाने पर आपत्ति जताई गई, जिसे अदालत ने खारिज करते हुए सीबीआई की अर्जी स्वीकार कर ली। भोपाल के चर्चित ट्विशा मामले में आज ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई हुई। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि जमानत अर्जी खारिज होने के बाद न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आरोपित गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए अदालत में पेशी कराई गई। सुनवाई के दौरान मृतका ट्विशा के पिता और भाई भी अदालत परिसर में मौजूद रहे। मामले की गंभीरता और जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत ने सीबीआई के आवेदन को स्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों की ज्यूडिशियल रिमांड 11 अगस्त तक बढ़ाने के आदेश जारी किए।

सुनवाई के दौरान आरोपितों के वकील ने सीबीआई पर आरोप लगाते हुए कहा कि वॉइस सैंपल लेने के दौरान जांच एजेंसी के अधिकारियों का रवैया उचित नहीं था। बचाव पक्ष ने यह भी दावा किया कि आरोपितों द्वारा जांच में सहयोग न करने की बात गलत है। इस पर अदालत ने मौखिक रूप से स्पष्ट किया कि वॉइस सैंपल से जुड़े ये तमाम तर्क जमानत अर्जी की सुनवाई के दौरान पहले ही सुने जा चुके हैं, इसलिए रिमांड की प्रक्रिया में इस मुद्दे का अब कोई औचित्य नहीं रह जाता है।

बचाव पक्ष ने अदालत में न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाए जाने का विरोध करते हुए तर्क दिया कि सीबीआई की रिमांड अर्जी में कोई नया आधार नहीं दिया गया है। साथ ही उन्होंने एजेंसी से अब तक पूछताछ किए गए गवाहों की सूची मांगी। इसका कड़ा विरोध करते हुए सीबीआई ने अदालत में पक्ष रखा कि मामले में जांच अभी संवेदनशील मोड़ पर है और गवाहों का ब्योरा सार्वजनिक करने से निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है। गौरतलब है कि 12 मई 2026 को राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स में हुई ट्विशा की संदिग्ध मौत के मामले में उच्च न्यायालय के आदेश पर दिल्ली एम्स की दोबारा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच कर रही है।

# समिति ने की तमिलनाडु को 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की सिफारिश, कर्नाटक ने जताई आपत्ति

**कावेरी जल विवाद**

**एजेंसी, बेंगलुरु/नई दिल्ली**

कावेरी जल बंटवारे को लेकर एक बार फिर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सिफारिश की है। इस अवधि में कुल लगभग चार टीएमसी पानी छोड़े जाने का सुझाव दिया गया है।

नई दिल्ली में वर्चुअल माध्यम से आयोजित समिति की बैठक में कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न राज्यों की ओर से जल उपलब्धता और मौजूदा स्थिति पर चर्चा के बाद समिति ने अपनी सिफारिश जारी की।

समिति की सिफारिश पर कर्नाटक सरकार ने आपत्ति जताई है। राज्य के जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक स्वयं जल संकट का सामना कर रहा है और इस वर्ष अपेक्षित वर्षा नहीं होने के कारण जलाशयों में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राज्य के लिए पेयजल की आवश्यकता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कर्नाटक सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखेगी।

उधर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में आरोप लगाया कि जल संकट और सूखे जैसी परिस्थितियों के बावजूद राज्य सरकार कर्नाटक के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा करने में विफल रही है।

आर. अशोक ने मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री से अधिकारियों तथा विधि विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कावेरी जल विनियमन समिति की सिफारिश के विरुद्ध कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण में अपील दायर कर राज्य का पक्ष तथ्यों और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मजबूती से रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में जलाशयों की वास्तविक स्थिति और जल उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों को प्राधिकरण के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी परिस्थिति में राज्य के हितों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे पर सरकार को अत्यंत सावधानी और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लेना चाहिए।

### ओडिशा में भारी बारिश का कहर, बालेश्वर में सर्वाधिक 246.6 मिमी वर्षा दर्ज

**एजेंसी, भुवनेश्वर**

ओडिशा के कई जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी से अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार तेज बारिश होती रही।

मौसम विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक बालेश्वर जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 246.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा नीलगिरि में 239.0 मिमी, जाजपुर में 236.8 मिमी और रेमुना में 222.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मयूरभंज, क्योंझर और सुंदरगढ़ जिलों के कई स्टेशनों पर भी अत्यधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य में पांच स्थानों पर 'अत्यंत भारी', 24 स्थानों पर 'बहुत भारी' और 60 स्थानों पर 'भारी' वर्षा की श्रेणी दर्ज की है।

मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति उस गहरे दबाव (डीप डिप्रेशन) के कारण बनी है, जो ओडिशा–पश्चिम बंगाल तट को पार कर अब अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है। लगातार बारिश के चलते कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। बालेश्वर जिले में जलका नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे बस्ता और सदर ब्लॉकों में सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है।

बालेश्वर शहर सहित कई जिलों के निचले इलाकों में जलभराव के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है और यातायात बाधित हुआ है। आगामी घंटों में और बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निचले और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहें तथा अधिकारियों द्वारा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

### संशोधन विधेयक शिक्षा व्यवस्था की विफलता छिपाने का प्रयासः गौरव गोगोई

**एजेंसी, नई दिल्ली**

लोकसभा में मंगलवार को पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई से जुड़े विधेयक पर विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरुआत कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने की। सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार करने के बजाय केवल कानूनों में संशोधन कर रही है। ऐसे में विपक्ष छात्रों की मांगों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के पक्ष में खड़ा रहेगा।

लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को नए कानून लाने के बजाय परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। गोगोई ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार परीक्षा संस्थानों में जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना सुधार संभव नहीं है।

गोगोई ने कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं और असफलता के कारण छात्रों में मानसिक तनाव बढ़ रहा है। सरकार को केवल दंड बढ़ाने के बजाय ईमानदार छात्रों का भविष्य प्रभावित करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करना चाहिए।

गोगोई ने कहा कि पेपर माफिया, परीक्षा केंद्रों, प्रिंटिंग प्रेस, कोचिंग संस्थानों, आउटसोर्सिंग व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़ी खामियों पर व्यापक सुधार आवश्यक है। पूर्व में गठित उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों का अपेक्षित परिणाम भी सामने नहीं आया और दोबारा पेपर लीक की घटनायें हुई।

# सरकार व सामाजिक संगठन मिलकर 2030 तक हासिल करेंगे बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य : सावित्री ठाकुर

**एजेंसी, नई दिल्ली**

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि सरकार सबके साथ और नागरिक समाज संगठनों के सहयोग से 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। सावित्री ठाकुर मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के देशभर से आए सहयोगी संगठनों के चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श "इंश्योरिंग ए चाइल्ड राइट्स, पोटेंशियल एंड प्रास्पेरिटी" के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आप सभी चुनौतियों से पार पा रहे हैं। छोटी उम्र की बच्चियां ट्रैफिकिंग की शिकार हो जाती हैं और फिर कभी अपने घर नहीं लौट पातीं। ऐसी बच्चियों को किसी फरिश्ते का इंतजार होता है और इन्हें यौन शोषण के दलदल से मुक्त कराने वाले नागरिक समाज संगठनों के स्वयंसेवी किसी फरिश्ते से कम नहीं होते।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2030 तक बाल विवाह के खात्मे को प्रतिबद्ध हैं

'बाल विवाह मुक्त भारत' को सफल बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने की दिशा में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत के सपने को हासिल करने में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

इस मौके पर एमपी'ज फॉर चिल्ड्रेन के संयोजक और लोकसभा में तेलुगु देशम पार्टी के संसदीय दल के नेता लावु कृष्णा देवरायलु ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ शुरू किया गया जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का यह आंदोलन अब पूरी दुनिया में फैल रहा है। यह एक असाधारण प्रयास है और भारत ने दिखाया है कि बाल विवाह का खात्मा संभव है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक व प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन ऋभु ने कहा, "27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से निकली चिंगारी जल्द ही राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बदल गई। तब से यह आंदोलन न्याय, तकनीक, नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों के जरिए हरेक बच्चे के सशक्तीकरण के व्यापक दृष्टिकोण में तब्दील हो गया है। भारत यह दिखा रहा है कि जब सरकारें, नागरिक समाज, अकदामिक जगत, समुदाय और युवा किसी साझा लक्ष्य के प्रति एकजुट हो जाएं तो बदलाव अवश्यंभावी है। अब यह सिर्फ भारत की ही कहानी नहीं रही बल्कि यह पूरी दुनिया को संदेश है कि कोई भी देश अगर सबसे महत्तवपूर्ण निवेश कर सकता है तो वह निवेश बच्चों पर है।"

# सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया और आत्मविश्वास बढ़ाया

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।





# मिर्जापुरः द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुरः द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''



# अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

**एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।**

## विजय ने ली ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

## चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

## विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।



# अक्षय की 'समुक' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में फ्लोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शेड्यूल की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोडक्शन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शेड्यूल की अवधि ढाई से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेटअप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीमों को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वही फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

# इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री

गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजहब बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। ट्रेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत घुमाता है। वापस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।





# धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

**एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।**

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

## कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

## लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

## बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'